RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 5 | लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

MALWA PHOTO FOUNDATION

PHOTO CONTEST

Malwa National Salon 2019

• MONOCHROME • COLOUR • NATURE • TRAVEL • PHOTO JOURNALISM

Calendar

- Closing Date : 19.12.2019
- Jury Meeting : 22.12.2019
- Notification : 31.12.2019
- Exhibition : 15.01.2020
- Catalouge/Awards : 25.01.2020

Image Specifications

- Max. Height : 768 px
- Max. Width : 1024 px
- Max. Size : 1 MB
- Resolution : 72 dpi

Entry Fee
₹ 600/-
All section

Jury Name

- **Padmakar Gade** (AFIAP, AIIPC)
- **Akhil Hardia** (AFIAP, EFIP, AIIPC)
- **Mahendra Rathard** (Senior photographer)

Prizes

1 FIP GOLD + Rs. 1000/- Cash
1 WPAI GOLD
1 MALWA GOLD
1 FIP SILVER
1 MALWA SILVER
1 FIP BRONZE
1 MALWA BRONZE
2 FIP HM
4 WPAI CM (pdf)
5 MALWA CM (pdf)

TOTAL AWARDS = 90

BEST INDIAN ENTRANT : MALWA
GOLD + Rs. 1000/- Cash

BEST CLUB AWARD : TROPHY
Minimum 10 members or above

Recognitions

FEDERATION OF INDIAN PHOTOGRAPHY
2019/FIP/174/2019

WILDLIFE PHOTOGRAPHY ASSOCIATION OF INDIA
WPAI
WPAI 2019/24

CASH AWARD ₹ 6000/-

Website :
www.mpfi.in

Media Partner

हिन्दी मासिक समाचार पत्र
स्टूडियो न्यूज
फोटो देखिए ही नहीं पढ़िए भी

For any enquiries feel free to write to us or for any other enquiries regarding salon call the salon chairman.
Contact - Malwa photo Foundation | mpfindore@gmail.com
SALON CHAIRMAN
Anurag badoliya | +919893312307 | anurag.badoliya@gmail.com

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियों स्टूडियो न्यूज़ के नवंबर 2019 अंक के साथ हम आपके समक्ष हैं। वेडिंग सीजन शुरू हो गया है, अभी तक हमने जो सीखा है उसको प्रैक्टिकल करने का समय है। आज के समय में जैसी आप तस्वीर को देखना चाहते हैं उसको अपने द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले इक्विपमेंट से उसी रूप में उतार सकें, तभी आपकी कामयाबी है। आज के समय में फोटोग्राफी के ज्ञान के साथ-साथ इक्विपमेंट का ज्ञान होना भी अति आवश्यक है। कोशिश कीजिये कि जो भी फोटोग्राफी इक्विपमेंट ख़रीदे उसके बारे में पढ़ें तथा उसका सही इस्तेमाल करना जाने। ज्ञान प्राप्त होने के बाद जितना आप फोटो शूट करेंगे उतना आपकी फोटोग्राफी में निखार आयेगा। वेडिंग फोटोग्राफी में शूट करने के बाद जो सबसे जरूरी काम है, वह है डाटा स्टोरेज। आप अपना शूट किया हुआ डाटा कैसे स्टोर करते हैं। साथियो कोशिश कीजिये कि अपने कैमरों में हाई स्पीड कार्ड का इस्तेमाल कीजिये तथा डाटा तेज कॉपी हो उसके लिए अच्छे कार्ड रीडर का इस्तेमाल करना आवश्यक है।

जितना महत्वपूर्ण आपके लिए आपका कैमरा है उतना ही महत्वपूर्ण यह है कि आप किस कार्ड में शूट कर रहे हैं क्योंकि अगर हाई स्पीड कार्ड नहीं होगा तो डाटा रीड करने में कार्ड को दिक्कत हो सकती है जिससे कार्ड हैंग कर सकता है या करप्ट हो सकता है इसलिए जब आप इक्विपमेंट में इतना पैसा इन्वेस्ट करते हैं तो यह जरूरी है कि उसकी एसेसरीज भी उसी लेवल की होनी अति आवश्यक है। दूसरा महत्वपूर्ण बात यह है कि वेडिंग में डाटा शूट करने के बाद उसको स्टोरेज या कॉपी कैसे किया जाए। सर्वप्रथम डाटा को आप अपने सिस्टम पर कॉपी कीजिए फिर उसकी दो बैकअप बनाइए जिससे आप डाटा को सिक्योर रख सकें। केवल एक जगह कॉपी करने से डाटा के लॉस होने का खतरा रहता है। डाटा कॉपी करने के बाद उसको मैनेज कैसे करना है, मतलब कि जब आपको डाटा खोजने की जरूरत पड़े तो आपको आसानी से डाटा मिल सके। एक और महत्वपूर्ण बात किसी भी वेडिंग में शूट करते वक्त साइट पर कोशिश कीजिए कि कार्ड से कोई डाटा डिलीट ना करना पड़े क्योंकि कभी-कभी जल्दबाजी में गलती से डाटा जो डिलीट नहीं करना होता है वह डिलीट हो जाता है। इसलिए यह जरूर ध्यान रखें कि किसी भी साइट पर एक्स्ट्रा स्टोरेज लेकर जाएं।

आज के समय में वेडिंग मल्टीकैम से शूट की जाती है चाहे स्टिल फोटोग्राफ़ी हो या वीडीयोग्राफ़ी। इसलिए बाद में एडिटिंग में दिक्कत ना आए आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आपकी टीम द्वारा उपयोग किए जा रहे सभी कैमरे समय सिंक किए गए हैं।

वेडिंग फोटोग्राफी में दूसरा सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है पोस्ट प्रोडक्शन। क्योंकि जब तक हम अपने कस्टमर को उसके देखने लायक वेडिंग का डाटा नहीं देते तब तक वह कार्य पूर्ण नहीं माना जाता। अतः वेडिंग में खाली शूट करना महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि आज के समय में डाटा हमारे पास बहुत हो जाता है, उसको सही से एडिट करना और समय पर एडिट करके कस्टमर को देना यह बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। जब तक हम कस्टमर को फाइनल डाटा नहीं देते तब तक हमारा कार्य पूर्ण नहीं होता। वेडिंग अच्छी शूट करना जितना जरूरी है उससे भी ज्यादा जरूरी यह है कि हम फाइनल आउटपुट अपने कस्टमर को क्या दे रहे हैं। इसलिये कोशिश कीजिये कि वेडिंग फोटोग्राफी के हर क्षेत्र में आपका कार्य उच्च स्तर का हो। शुभकामनाओं सहित -

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

सोनी, पैनासॉनिक व फूजीफिल्म के लिए अडोब कैमरा रॉ व लाइटरूम का सपोर्ट

अडोब ने हाल ही में सितंबर अपडेट रिलीज किया है अपने कैमरा रॉ प्लगिन के लिए, सॉफ्टवेयर जिससे उपयोगकर्ता इम्पोर्ट व रॉ इमेज को कंपनी क्रिएटिव सॉफ्टवेयर जैसे कि फोटोशॉप व ब्रिज में एडिट कर सकते हैं। कैमरे का रॉ वर्जन 11.4.1 देता है 4 अतिरिक्त कैमरा मॉडल को सपोर्टः फूजीफिल्म एक्स-ए7, सोनी A7R IV (ILCE-7RM4), पैनासॉनिक ल्यूमिक्स DC-S1H और सोनी RX100 VII (DSC-RX100M7)। यह नया कैमरा सपोर्ट लाइटरूम व लाइटरूम क्लासिक वर्जन 2.4.1 व 8.4.1 से शुरू होता है।

कैनन का एंट्री-लेवल EOS M200 देता है आई डिटेक्शन व 4K वीडियो

कैनन लाया है EOS M200, यह अपडेट है दो साल पुराने M100 के लिए। यह 24MP APS-C मिररलेस कैमरा के पास है नया प्रोसेसर जो आई डिटेक्शन के साथ डुअल पिक्सल AF के लिए है, देता है 4K वीडियो व बेहतर बैट्री लाइफ।

केंको का नया फ्लैश

केंको लाया है नया फ्लैश जो कि सब्जेक्ट व माहौल के हिसाब से अपनी जगह खुद ब खुद बदल देता है और ऊपरी हिस्सा जरूरत के हिसाब से सेट कर लेता है।

ग्नारबॉक्स 2.0 SSD अब पूरी दुनिया के मार्केट में उपलब्ध है जिसका मूल्य शुरू होता है डॉलर 499 से

माईग्नॉर ने हाल ही में अपने ग्नॉरबॉक्स 2.0 SSD की घोषणा की है। इसको मूल रूप से किकस्टारटर ने फंड किया है, ग्नॉरबॉक्स 2.0 SSD अब नए फीचर्स के साथ बिक्री के लिए पूरी दुनिया उपलब्ध है। ग्नॉरबॉक्स 2.0 SSD एक ऐसा स्टोरेज सॉल्यूशन है जिसमें कई एप हैं और इम्पोर्ट, सॉर्ट, एडिट और मल्टीमीडियो एक्सपोर्ट करना बहुत ही आसान है। यह देता है 2.4 GHz क्वाड कोर प्रोसेसर, 4जीबी रैम और 1 टीबी तक एनवीएमई एसएसडी स्टोरेज। फोटो व वीडियो किसी डिवाइस पर ऑनबोर्ड एसडी कार्ड स्लॉट या दो ऑनबाउंड यूएसबी-सी पोर्ट के माध्यम से इम्पोर्ट की जा सकती हैं और माइक्रो एचडीएमआई पोर्ट किसी एचडीएमआई कंपैरेबल डिस्प्ले में फोटोज़ देखी जा सकती हैं। इसके अंदर बैट्री यूएसबी-सी से चार्ज होती है और इसे तीन से छह घंटे तक इस्तेमाल किया जा सकता है।

इप्सन का श्योर कलर पी 7570, पी9570 वाइड-फॉर्मेट प्रिंटर जो देता है म्यूजियम क्वालिटी प्रिंट्स

इप्सन ने अपने श्योरकोर पी सीरीज प्रिंटर की श्रेणी में इजाफा किया है नए वाइड-फॉर्मेट श्योर कलर पी7570 और श्योर कलर पी9570 के साथ। यह मॉडल दे रहे हैं 24 इंच व 44 इंच प्रिंट साइज, अल्ट्राक्रोम पीआरओ12 पिगमिंट इंक, और प्रिसीजन कोर माइक्रो टीएफपी प्रिंटहेड टेक। इप्सन पी 7570 और पी 9570 को अपना अब तक का सबसे एडवांस प्रिंटर्स बताया है।

सोनी A9 II में नए डिजाइन व बेहतर फीचर्स

सोनी A9 II ने कंपनी के स्पोर्ट आधारित कैमरे को अपडेट किया है एक नई बॉडी के साथ, पहले से बेहतर AFएल्गॉरिथम और कई अन्य फीचर्स।

फाइनल कट प्रो एक्स 10.4.7 आया है बेहदर प्रदर्शन के साथ

एप्पल ने फाइनल कट प्रो एक्स में अपडेट किया, इसके प्रदर्शन को बड़े स्तर पर बढ़ाया है, साथ ही मल्टी - जीपीयू सपोर्ट और एप्पल के प्रो डिस्प्ले एक्स डी आर के लिए सपोर्ट भी।

अगले मास्ह आएगा निकॉन जेड 6/7 बैट्री पैक

जिसका काफी समय से इंतजार था निकॉन ने अंततः उसका एलान कर दिया है। बात कर रहे हैं जेड6 और जेड7 मिररलेस कैमरे के लिए बैट्री ग्रिप की। एमबी-एन10 एक बैट्री होल्डर है, पोर्ट्रेट आधारित शूटिंग के लिए कोई कंट्रोल नहीं दिए गए हैं।

निकॉन का जेड 50, डीएक्स - फॉर्मेट मिररलेस कैमरा है जेड-माउंट के लिए

निकॉन ने घोषणा की है अपने जेड50 की, इसकी पहला जेड-माउंट मिररलेस बॉडी एपीएस-सी सेंसर इस्तेमाल करने के लिए है। जेड6 और जेड7 जैसा बॉडी स्टैबलाइजेशन हालांकि इसमें नहीं है लेकिन इसमें 21 एमपी सेंसर, ऑन सेंसर पीडीएएफ, 11 एफपीएस बर्स्ट, और मौसम से बचाव करने वाली बॉडी है। इसके अलावा निकॉन ने 16-50 एमएम और 50-250 एमएम किट लेंस अनाउंस किए।

निकॉन का 58 एमएम एफ 0.95 नॉक्ट लेंस

कंपनी के मुताबिक निकॉन का जेड58 एमएम 0.95 नॉक्ट निकॉन का पहला लेंस है जो कि नए जेड माउंट का पूरा उपयोग कर सकता है बिना किसी की के।

सिग्मा ने अपने एफपी कैमरे का मूल्य व उपलब्धता बताई

सिग्मा ने अपने कंपैक्ट फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा की मूल्य व उपलब्धता बताई। केवल बॉडी की इसकी कीमत होगी डॉलर 1899 और डॉलर 2199 किट के जिसमें होगा सिग्मा 45एमएम एफ2.8 डीजी डीएन कंटेप्ररी लेंस।

ओलंपस का पीईएन ई-पीएल10 फ्लिप डाउन स्क्रीन के साथ

कुछ सॉफ्टवेयर का जुड़ाव और रीडिजाइन डिस्प्ले के अलावा पीईएन ई-पीएल 10 पहले के मुकाबले अधिक बदला नहीं है।

नया ओलंपस E-M5 मार्क III है मिनी E-M1 II

ओलंपस ने OM-D E-M5 मार्क III का एलान किया है- यह पहले के मुकाबले में अधिक कंपैक्ट कैमरा है जिसमें E-M1 मार्क II के मुकाबले तकनीकी रूप से अधिक लै है।

एलीज़ो ने एलान किया 27" 4के कलरएज सीएस2740 मॉनिटर यूएसबी-सी कनेक्शन के साथ 10-बिट इनपुट

एलीज़ो के कलर एज सीएस2730 का विकसित मॉनिटर है सीएस2740 जो कि रिज़ॉल्यूशन को बढ़ाता है, नए कनेक्टिविटी ऑप्शन्स को जोड़ता है और अब देता है 10-बिट इनपुट। कीमत की जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है लेकिन एलीज़ो का कहना है कि वह जल्द ही यह जानकारी आधिकारिक रूप से लॉन्च कर देंगे।

कॉलडिजिट लाया है नया 512 जीबी टफ नैनो यूएसबी-सी एसएसडी 1055 एमबी/सेकेंड रीड स्पीड के साथ

नए 512 जीबी ड्राइव कार्डस से छोटी है और इसकी रीड व राइट गति 1055 एमबीपीएस और 900 एमबीपीएस है।

सोनी ई-माउंट के लिए टैमरॉन बना रहा 70-180 एमएम एफ2.8 टेलीफोटो

अपने फुल-फ्रेम सोनी मिररलेस कैमरा के लिए टैमरॉन बना रहा है तेज, कंपैक्ट 70-180 एमएम एफ 2.8 टेली-जूम। लेंस का वजन मात्र 815 ग्राम होगा और यह देंगे लीनियर फोकस मोटर, मौसम से बचाव और कम फोकसिंग दूरी।

नए एक्स-प्रो 3 के साथ फूजीफिल्म तस्वीरे लेने का तरीका बदलना चाहता है

आ गया है नया फूजीफिल्म एक्स - प्रो 3 अपडेटेड सेंसर, प्रोसेसर और ऑटोफोकस सिस्टम के साथ। कंपनी ने एलसीडी को कुछ ऐसे छिपाया है कि आप हाइब्रिड व्यूफाइंडर से शूट करने में अधिक मग्न रहेंगे। यह ट्रेडिशनल फोटोग्राफी अनुभव के लिए बढ़िया है।

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 5 | लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

फोटोशाप सीखें - पेज 4

महान विभूतियाँ - पेज 6-7

कम्पोजीशिन की कला - पेज 8-9

फूड फोटोग्राफी - पेज 12

एस्ट्रो फोटोग्राफी - पेज 13

कैनन EOS एम6 मार्क II : उम्दा कंटेंट क्रिएटर कैमरा

EOS एम6 मार्क II आकार में छोटा लेकिन बहुत सारे फीचर से लैस ये कैमरा वजन में बेहद हल्का है कि आप कई बार भूल ही जायेंगे कि इतना दमदार कैमरा आपके बैग में रखा है। EOS एम6 मार्क II अपने रॉ बर्स्ट मोड पर 30fps तक शूट करता है। अपने साइलेंट इलेक्ट्रानिक शटर फीचर जो कि 1/16000 तक बिना किसी आवाज के स्टेज पर काम करके किसी भी मूवमेंट को शूट कर सकता है। EOS एम6 मार्क II की लो इंटेंसिटी सीमा ईवी-5 आपको कम रोशनी में भी सटीक फोकस देता है और ISO सेंसिटिविटी जोकि 51,200 तक आपको लो लाइट वाले माहौल में भी अच्छी तस्वीर सुनिश्चित करता है।

आप EOS एम6 मार्क II आपको 4K रिकॉर्डिंग करते समय अनक्रॉप व क्रॉप मोड प्रदान करता है। इससे आप बड़े हॉल का वाइड एंगल व्यू के साथ-साथ डांसर के एक्सप्रेशन भी शूट कर सकता है।

कैनन EOS एम6 मार्क II नई तकनीकी सुविधा से लैस है जो कि आपको अपनी जिंदगी के उन खास पलों को इमेज व 4K मूवी कैप्चर करने में मदद करता है जिन्हें आप आसानी से शेयर भी कर सकते हैं।

EOS एम6 मार्क II आपको एम6 से अधिक उम्दा रिज्याल्यूशन व कैनन के पहले के किसी भी एपीएस-सी सेंसर से अधिक पिक्सल भी है।

इस कैमरे में लेटेस्ट डिजिक 8 प्रोसेसर लगा है जो एम6 मार्क II को स्पीड के मामले में एम5 व एम6 से भी ज्यादा बेहतर बनाता है- जो कि इसे फुल रिज्यॉल्यूशन व ऑटो-फोकस के साथ लगातार 14fps पर शूटिंग करता है व साथ ही साथ इसका रॉ बर्स्ट मोड 18 मेगापिक्सल आपको 30 fps तक शूट करने की सुविधा प्रदान करता है।

इस कैमरे में आपको 4K अनक्रॉप वीडियो रिकॉर्डिंग का भी शानदार फीचर भी उपलब्ध है व साथ ही साथ इसकी टिल्टिंग स्क्रीन, 3.5 माइक्रोफोन सॉकेट और इसका छोटा आकार व्लॉगर्स की पहली पसंद है।

ऑटोफोकस के मामले में हमें आई-डिटेक्शन के रूप में कुछ नए फीचर मिलते हैं जोकि हम पहले भी कैनन के EOS R और EOS RP फुल फ्रेम मिररलेस मॉडल में देख चुके हैं। हालांकि इसे एक से ज्यादा सब्जेक्ट में इस्तेमाल करने की उम्मीद कम ही है।

डिजाइन पर बात करते हैं, कैनन ने पहले के मुताबिक डिजाइन पर काम किया है। ऊपर के हिस्से में एक्सपोजर कम्पनसेशन डायल को हटाया है ताकि कैमरे को डायल फ्रंट कंट्रोल मिल सके जो जिससे भिन्न प्रकार की सेटिंग को कंट्रोल कर स्विच किया जा सके।

देखिए...और शूट कीजिए

अनमोल पलों को क्षण भर में कैद कीजिए कैमरे से जिसकी कैप्चरिंग पावर काफी तेज और रफ्तार वाली है, जो कि ऑटो-फोकस के साथ-साथ 14fps तक शूट कर सकता है। EOS एम6 मार्क II का पोर्टेबल डिजाइन है जिसे आप वर्चुअली कहीं भी ले जा सकते हैं, यह सारे फीचर्स मिलकर इसे एक परफेक्ट फोटोग्राफिक टूल बनाते हैं जिससे आप अपने जीवन को और भी दिलचस्प बना सकते हैं हर दिन के क्रिएटिव लम्हों को कैमरे में कैद कर के।

अनमोल मौकों को न छोड़ें और क्षणिक लम्हों को कैप्चर करें

जीवन की तेज रफ्तार की बराबरी तो नहीं की जा सकती, लेकिन उन अनमोल लम्हों को कैद किया जा सकता है। जब भी आप सड़कर पर या रचनात्मक ट्रैवल फोटोग्राफी पर निकलें, कैमरे के 30 fps रॉ बर्स्ट शूटिंग या 14fps तक फुल ऑटोफोकस के साथ शूट करें। फुल ऑटोफोकस हिलने वाले सब्जेक्ट्स को भी पिन शार्प करता है।

दिन हो या रात-उम्दा इमेज क्वालिटी

डीटेल व माहौल वाली इमेज को कैप्चर कीजिए 32.5 मेगापिक्सल से अधिकतम ISO 25,600 सेंसिटिविटी की बदौलत कम रोशनी में भी। इमेज की गुणवत्ता को मेंटेन करते हुए क्रॉप, प्रोसेस व रीसाइज कर सकते हैं।

कोई कहानी बयान करता सम्मोहक वीडियो

वीडियो को उसी आत्मविश्वास व रचनात्मकता से शूट कीजिए जैसे आप स्टिल फोटो को शूट करते हैं। EOS एम6 मार्क II 4K वीडियो 30P तक तथा फुल एचडी फुटेज 120P के फ्रेम रेट तक कैप्चर कर सकता है।

अपने अंदाज में काम करें

किसी भी एंगल से कंपोज करें, फ्लिप-अप टचस्क्रीन का प्रयोग करते हुए या फिर बेहतरीन डिटैचेबल ईवीएफ जो कि तेज रोशनी में शूटिंग को आसान बनाता है, का इस्तेमाल करते हुए शूटिंग अनुभव में डूब जाइए। कई EOS एम6 मार्क II के कंट्रोल को कस्टमाइज्ड किया जा सकता है-आपको बिलकुल ऐसा लगेगा कि यह कैमरा आपके लिए डिजाइन किया हुआ है।

आपका रचनात्मक साथी

इसके रिमूवेबल व्यूफाइंडर के साथ और मात्र 408 ग्राम वजन साथ ही बैट्री व मेमोरी कार्ड के साथ, EOS एम6 मार्क II को आप कहीं भी अपनी कोट की पॉकेट व बैग में ले जा सकते हैं। यानी कि जब भी आपको कोई नजारा दिखे, आप कैप्चर करने को तैयार रखेंगे। इसे कंपैक्ट प्राइम लेंस के साथ

इस्तेमाल कीजिए-जैसे कि ईएफ-एम 22 एमएम एफ/2 एसटीएम या 32 एमएम एफ/1.4 एसटीएम, एक क्लासिक रिपोर्ट के लिए।

अपनी जिंदगी के साथ ऑनलाइन जुड़िये

EOS एम6 मार्क II डिजाइन किया गया है कि आप इस स्मार्ट डिवाइस को हाथोंहाथ इस्तेमाल करें। हरदम ऑन रहने वाले ब्लूटूथ लिंक और बिल्ट इन वाई-फाई का शुक्र है। इमेज व मूवी शेयर कीजिए कैनन कैमरा कनेक्ट एप से और खुद ब खुद इमेज सिंक आपके फोन व टैबलेट पर हो जाएंगी। रिमोट शूटिंग के लिए भी आपकी डिवाइस इस्तेमाल हो सकती है।

मूल्य (MRP) :
बॉडी+ 15-45 mm लेंस - ₹ 83,995

घर बैठे फोटोशॉप सीखें

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/

(भाग-2)

फोटोशॉप के पहले ट्यूटोरियल में हमने फोटोशॉप के इंटरफ़ेस के बारे में जानकारी प्राप्त की। इससे पहले कि हम अपनी तस्वीरों के साथ कुछ कर सकें हमें सबसे पहले उन्हें फोटोशॉप में खोलने की जरूरत पड़ती है। तस्वीरों को खोलना एक ऐसा महत्वपूर्ण विषय नहीं लगता है जिसके लिए पूरी ट्यूटोरियल की आवश्यकता हो। लेकिन फोटोशॉप कोई साधारण प्रोग्राम भी तो नहीं है। फ़ोटोशॉप में हर काम की तरह तस्वीर को खोलने के लिए एक से अधिक तरीके हैं। फ़ोटोशॉप सीसी के सबसे हाल के संस्करणों में एडोब ने एक नया होम स्क्रीन जोड़ा है जो हमें तस्वीरों को खोलने के लिए एक से अधिक तरीके देता है। इसलिए भले ही आप वर्षों से फोटोशॉप का उपयोग कर रहे हों फोटोशॉप में सीखने के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया होता है।

फ़ोटोशॉप में काम करना शुरू करने के लिए दो अलग-अलग तरीके हैं। या तो एक नया रिक्त फ़ोटोशॉप फाइल बनाये और फिर उसमें फोटोग्राफ, ग्राफिक्स और अन्य वस्तुओ को डालकर काम शुरू करें या पहले से मौजूद किसी फोटोग्राफ को खोलकर उसपर काम करें। यदि आप एक फोटोग्राफर हैं तो आप पहले से मौजूद एक फोटोग्राफ खोलकर काम शुरू करना चाहेंगे और यही हम यहां सीखने जा रहे हैं। हम एक JPEG फ़ाइल खोलने और RAW में कैप्चर की गई फ़ोटो को खोलने के बीच के महत्वपूर्ण अंतर को भी देखेंगे।

हाल में ही खोले गए फ़ाइल खोलना

यदि आपने हाल में ही फोटोग्राफ या फाइल पर काम किया है तो जैसे ही आप फोटोशॉप खोलेंगे आप उन्हें होम स्क्रीन पर थंबनेल के रूप में देखेंगे। अगर आप फ़ोटोशॉप में हाल में ही खोले गए फ़ाइल को फिर से खोलना चाहते है ताकि आप इस पर काम करना जारी रख सकें तो बस इसके थंबनेल पर क्लिक करें वह फोटोग्राफ फोटोशॉप में खुल जायेगा और आप उसपर काम कर सकते है। देखे स्क्रीनशॉट P-1

फोटोशॉप की होम स्क्रीन से इमेज कैसे खोले

आइए फ़ोटोशॉप में हाल में ही जोड़े गए होम स्क्रीन का प्रयोग कर किसी फोटोग्राफ को खोले। जब हम किसी फोटोग्राफ को खोले बिना फ़ोटोशॉप सीसी लॉन्च करते हैं या यदि हम फाइल को बंद करते हैं और फ़ोटोशॉप में कोई अन्य फाइल या फोटोग्राफ नहीं खुला है तो फ़ोटोशॉप का होम स्क्रीन आपके सामने खुल जायेगा। ध्यान दें यह ट्यूटोरियल फोटोशॉप के नवीनतम संस्करण को ध्यान में रखकर लिखी जा रही है अगर आप कोई पुराने संस्करण को उपयोग में ला रहे हो उसमें होमस्क्रीन आपको देखने में नहीं मिलेगा। अगर आपने पहली बार फ़ोटोशॉप लॉन्च किया है या आपने अपने हाल में ही खोले गए फ़ाइल हिस्ट्री को साफ़ कर दिया है तो आपको कोई थंबनेल नहीं दिखाई देगा बल्कि इसके बजाय होम स्क्रीन अपनी प्रारंभिक अवस्था में दिखाई देगी जैसा की आप स्क्रीनशॉट P-2

देख रहे है। होम स्क्रीन की सामग्री में समय-समय पर बदलाव होते रहते हैं इसलिए आप यहां जो स्क्रीनशॉट देख रहे हैं उससे अलग दिखे तो चिन्ता मत करे। इस स्क्रीन के बीच में ड्रैग एंड ड्राप इमेज लिखा हुआ आप देखेंगे। आप फोटोग्राफ को चाहे वह डेस्कटॉप पर हो या किसी फाइल में हो उसे माउस की मदद से खींचकर यहाँ डाल दे तो वह फोटोशॉप में खुल जाएगी। यहीं पर आपको ब्लू रंग में सेलेक्ट वन भी लिखा दिखाई देगा। अगर आप इसपर क्लिक करते है तो विंडो एक्सप्लोरल खुल जायेगा और उसकी मदद से आप अपनी फाइल उसी प्रकार खोल सकते है जैसे आप विंडो में खोलते है। होम स्क्रीन के बाई तरफ आपको ओपन लिखा हुआ दिखाई देगा देखे स्क्रीनशॉट P-3 आप उसपर क्लिक करके भी विंडो एक्सप्लोरल खोल सकते है। यहीं पर

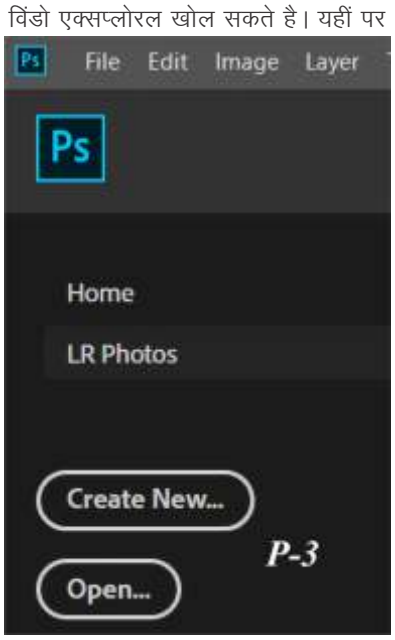

आपको ओपन के ऊपर LR फोटो लिखा दिखाई देगा आप इसपर क्लिक करके लाइटरूम से अपनी फोटो खोल सकते है पर इसके लिए आपके कंप्यूटर में लाइटरूम लोड होना चाहिए और इसके लिए आपको पहले इंटरनेट खोलकर क्रिएटिव क्लाउड पर साइन इन करना पड़ेगा। लाइटरूम एडोबी का ही फोटो एडिटिंग सॉफ्टवेयर है पर उसमें लेयर, फ़िल्टर आदि के प्रयोग करने की सुविधा नहीं इसलिए लाइटरूम के फोटोग्राफ पर इनका उपयोग करने के लिए उनको फोटोशॉप में लाना पड़ता है इसीलिए फोटोशॉप में आपकी सुविधा के लिए यह ऑप्शन भी दे दिया गया है।

फोटोग्राफ को बंद करना

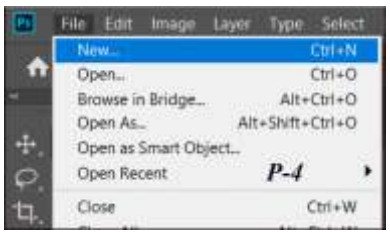

फोटोग्राफ को बंद करने के लिए स्क्रीन के शीर्ष पर मेनू बार में फ़ाइल मेनू पर जाएं और क्लोज ऑप्शन चुने या इसके शॉर्टकट CTRL+W का उपयोग करे। फाइल मेनू में आपको ओपन कमांड भी दिखेगा आप इसपर भी क्लिक करके कोई इमेज खोल सकते है, या इसकी जगह आप फाइल खोलने शॉर्टकट Ctrl+O का भी प्रयोग कर सकते है।

फोटोशॉप में रॉ (RAW) फोटोग्राफ को कैसे खोले

अभी तक आपने JPEG फोटोग्राफ को फोटोशॉप में खोलना सीखा पर कैमरे RAW फाइल फॉर्मेट में भी फोटोग्राफ खीचा जाता है और आपको रॉ फोटोग्राफ भी एडिटिंग करने को दी जा सकती है। आप उन्हें कैसे खोलेंगे? RAW फोटोग्राफ को खोलने का तरीका वही है जों JPEG फोटोग्राफ खोलने का है अंतर केवल इतना है की रॉ फोटोग्राफ सीधे फोटोशॉप में नहीं खुलेगा बल्कि यह रॉ एडिटर में खुलेगा। रॉ एडिटर आप स्क्रीनशॉट P-5 में देख रहे है। इस एडिटर में एडिट करने के बाद आप एडिटर के नीचे OPEN IMAGE बटन पर क्लिक करके अपनी इमेज को फोटोशॉप में खोल सकते है।

फोटोशॉप में एक नया डॉक्यूमेंट कैसे बनाएं

यदि आप एक फोटोग्राफर हैं तो एक नया डॉक्यूमेंट बनाने के बजाय आप संभवतः फ़ोटोशॉप में एक फोटोग्राफ खोलकर एडिटिंग शुरू करना चाहेंगे। परन्तु कभी-कभी हम एक नया रिक्त डॉक्यूमेंट बनाने की जरूरत होती है ताकि हम इसमें फोटोग्राफ या ग्राफिक्स डॉल सके। नया डॉक्यूमेंट कवर डिज़ाइन, कार्ड, ब्रोशर या वेब डिज़ाइन लेआउट के लिए जरूरी होते है। डिजिटल पेंटिंग अथवा कई फोटोग्राफ मिलाकर एक कंपोजिट बनाने के लिए भी नए डॉक्यूमेंट बनाने की जरूरत पड़ती है। फोटोग्राफ को खोलना नए डॉक्यूमेंट बनाने से अलग है क्योंकि फोटोग्राफ स्वयं डॉक्यूमेंट का आकार निर्धारित करती है जबकि नया डॉक्यूमेंट हम अपने जरूरत के मुताबिक बनाते है।

नया डॉक्यूमेंट बनाने के लिए होम स्क्रीन के बाईं ओर स्थित कॉलम में Create New बटन पर क्लिक करें। एक नया फ़ोटोशॉप डॉक्यूमेंट बनाने का एक अन्य तरीका मेनू बार में फ़ाइल मेनू पर जाकर New चुनना है या आप कीबोर्ड शॉर्टकट- Ctrl + N का भी प्रयोग कर सकते है। फोटोशॉप में आप किसी काम को कई तरह से कर सकते है जैसे आप नए डॉक्यूमेंट बनाने को ही ले लें हमने आपको यहाँ नए डॉक्यूमेंट बनाने के कई तरीके बतलाये आपको जो अधिक सुविधाजनक लगे उसी का उपयोग करे आपकी जानकारी के लिए ही सब तरीको का जिक्र यहाँ किया गया है।

फोटोशॉप का New document dialog box

किसी भी तरह से आप एक New document खोले आपके सामने एक नया डायलॉग बॉक्स खुलता है जैसा की स्क्रीनशॉट P-7 में दिखाया गया है।

डायलॉग बॉक्स ऊपर के मीनू में आप Recent, Saved, Photo, Print, Art & Illustration, Web, Mobile, Film & Video- में से अपनी जरूरत के अनुसार किसी एक टेम्पलेट को चुन सकते है। आपके चुनाव के आधार पर आपके सामने कई टेम्पलेट्स खुल जायेगे, हर टेम्पलेट्स के नीचे उसका आकार और PPI (pixel per Inch) लिखा रहता है अपनी जरूरत के अनुसार आप इनमें से किसी एक को चुन सकते है। आपके चुने हुए टेम्पलेट के बारे में और अधिक जानकारी आपको डायलॉग बॉक्स के दाहिने भाग में मिल जाएगी जैसे उसका कलर मोड, बिट डेप्थ और बैकग्राउंड का कलर। आप इनमें अपनी जरूरत के अनुसार परिवर्तन भी कर सकते है। इसके बाद आप क्रिएट बटन दबा दे आपके सामने आपके द्वारा चुना गया खाली डॉक्यूमेंट खुल जायेगा।

फोटोशॉप में एक से अधिक फोटो खोलना

फोटोशॉप में एक से अधिक फोटो खोलना कोई मुश्किल काम नहीं एक फोटो खोलने के बाद उसी तरह आप दूसरी फोटो भी खोल सकते है। अगर आप किसी फोल्डर से एक से अधिक फोटो खोलना चाहे तो CTRL दबाये रहे और जितनी फोटो खोलना है उनपर क्लिक करे, वे सभी फोटो सेलेक्ट हो जायेगे अब आप Open बटन दबा दे, सारे फोटो एकसाथ फोटोशॉप में खुल जायेगे। फोटोशॉप में सब फोटो खुल तो जायेगे पर फ़ोटोशॉप में आपको एक ही फोटो खुला दिखाई देगा और आप उसी पर काम कर सकते है। दूसरी फोटो पर काम करने के लिए उस फोटो के नाम वाले टैब को अगर आप क्लिक करेंगे तो वह फोटो खुल जाएगी। देखे स्क्रीनशॉट P-8

एक टैब से दूसरे टैब पर बाएं से दाएं जाने के लिए आप शॉर्टकट Ctrl + Tab का भी प्रयोग कर सकते है विपरीत दिशा में जाने के लिए (दाएं से बाएं), Shift + Ctrl + Tab का प्रयोग करे।

फ्लोटिंग डॉक्यूमेंट विंडोज

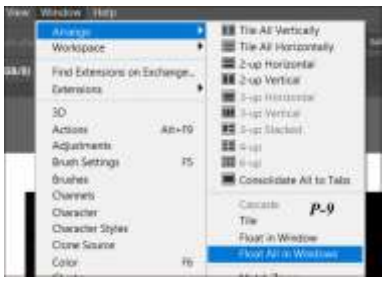

फोटोशॉप में अगर एक से आधिक फोटोग्राफ्स खुले हुए हो और आप उन सबको देखना चाहते तो आप उन्हें एक साथ फ्लोटिंग विंडो के रूप में देख सकते है। किसी एक टैब को फ्लोटिंग विंडो में बदलने के लिए टैब पर क्लिक करें और माउस बटन को दबाये रखते हुए टैब को नीचे दूसरे टैब से दूर खींचें। जब आप अपना माउस बटन छोड़ेगे तो वह फोटो अन्य फोटो से अलग एक फ्लोटिंग विंडो में दिखाई देती है। आप विंडो के ऊपर टैब के ग्रे एरिया में क्लिक कर माउस बटन दाबे रहते हुए फ्लोटिंग विंडो को कही पर रख सकते है। यदि आप अपने सभी तस्वीरों को फ़्लोटिंग विंडो में बदलना चाहते हैं तो स्क्रीन के शीर्ष पर मेनू बार में विंडो मेनू पर जाएं अरेंज चुनें और फिर विंडोज़ में फ्लोट ऑल चुने आपके सभी फोटोग्राफ्स अलग-अलग फ्लोटिंग विंडो के रूप में खुल जायेगें। यहाँ पर खुलने वाले विंडो में आपको फ्लोटिंग डाक्यूमेंट्स को व्यवस्थित करने के और अधिक विकल्प मिलेंगे। जैसे आप अगर टाइल आल वर्टिकली विकल्प चुनेगे तो सभी फोटो एक दूसरे के अगल बगल में अरेंज हो जायेगे और आप सभी फोटोग्राफ को एक साथ देख सकेंगे। मान लिया कि आपने एक ही फोटो पर दो अलग फ़िल्टर का उपयोग किया है और उनमें से जो अच्छा है उसे चुनना चाहते हैं तो उनकी तुलना आप इस तरह कर सकते है।

फोटोशॉप ट्यूटोरियल के इस भाग में आपने किसी फोटोग्राफ को खोलना या डॉक्यूमेंट बनाने के बारे में सीखा। अब आप फोटोशॉप खोले और ट्यूटोरियल में फोटो खोलने या नया डॉक्यूमेंट बनाने के तरीको को खुद आजमा कर देखे। अभी के लिए बस इतना ही फिर अगले अंक में आपसे मुलाकात होगी तबतक के लिए अलविदा।

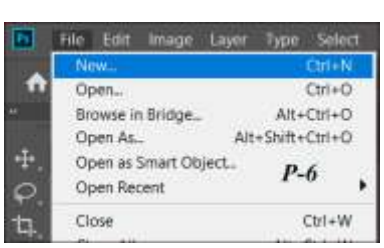

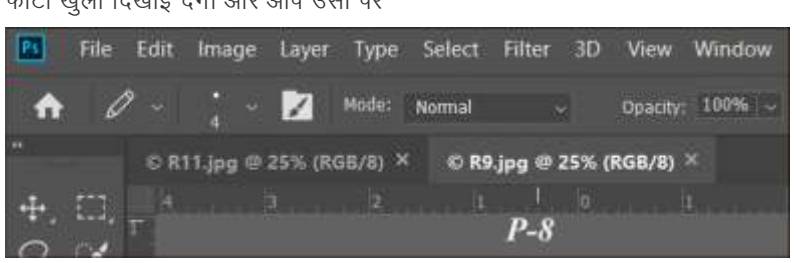

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

"कैमरे से ली गई फोटो वह कल्पना है जिसे आप वास्तविकता के साथ बनाना चाहते हैं" - स्कॉट लोरैंजो

EOS RP

Canon
Delighting You Always

पॉकेट रॉकेट- सबसे छोटा फुल फ्रेम कैमरा

एक बार जो कैनन ने मिररलेस कैमरे की राह पकड़ ली तो अब वापस मुड़ने का कोई सवाल नहीं। EOS RP में एक नया जुड़ाव इसका सबूत है। यह एक छोटा अजूबा है। एक छोटा सा कैमरा जो कि अभूतपूर्व नतीजे दिखाता है। अब हम ऐसी बॉडी से फुल फ्रेम जादू की उम्मीद कर सकते हैं जो कि बेहद छोटी और हल्की है। जब मैंने इसे पहली बार हाथों में लिया तो मुझे कैमरा पकड़ने जैसा एहसास ही नहीं हुआ, और तब इस कैमरे ने बेहतरीन नतीजे दिखाए। EOS RP 440 ग्राम का है जो कि पहले से छोटे और हल्के EOS R मिररलेस कैमरे से 20 फीसद और छोटा है।

कैनन EOS RP अपनी सुप्रीम इमेज क्वालिटी के लिए जाना जाता है और इसकी कोई तुलना नहीं, वहीं EOS RP भी इसी वंशावली से है। जैसे-जैसे आप आगे पढ़ेंगे आप इसके फीचर्स को सराहेंगे, मैं इससे शूटिंग कर पहले ही इसका फैन हूं। यदि आप अभी ही अपनी फोटोग्राफी यात्रा की शुरूआत कर रहे हैं तो यह एक परफेक्ट फुल फ्रेम कैमरा है। यहां जानिए क्यों-

ड्युअल पिक्सल CMOS AF : टच और ड्रैग फोकस

टच व ड्रैग फीचर के साथ EOS RP तुरंत शॉट कंपोज़ करने के लिए एक अभूतपूर्व नई उन्नति है। अब फोकस प्वाइंट को सेलेक्ट करने के लिए ज्वॉय स्टिक का इस्तेमाल करना पुरानी बात हो गई है। अब मैं मनपसंद ऑटो-फोकस प्वाइंट LCD टचस्क्रीन से सेलेक्ट कर सकता हूं और अपना कंपोजिशन शूट कर सकता हूं।

DIGIC 8 प्रोसेसर : AF स्पीड एवं सटीकता

फोकस के लिए एकदम ठीक है EOS RP और हिलने-चलने वाली ऑब्जेक्ट्स पर फोकस करने के लिए भी बहुत ही उम्दा। शादी की फोटोग्राफी के लिए सबसे जरूरी होती है स्पीड यानी कि रफ्तार। खासकर कि मेकअप के दौरान ब्रश से बहुत मूवमेंट होता है, दुल्हन को भी हिलना पड़ता है। अब आप बिना ब्राइड व मेक-अप आर्टिस्ट को डिस्टर्ब किए पलक झपकते ही शॉट ले सकते हैं। डुअल पिक्सल AF सिस्टम के साथ EOS RP यह कर सकता है।

फोटो स्टैकिंग

यह नया फीचर है जिसे स्टूडियो फोटोग्राफर्स और मैक्रो फोटोग्राफर्स बेहद पसंद करेंगे। या फिर यह उन्हें भी खूब भाएगा जो आभूषण इत्यादि को नजदीक से शूट करना पसंद करते हैं।

जब आप मैक्रो शूट करते हैं तो बहुत पतला फोकस मिलता है, वैसे यह अच्छा लगता है, लेकिन यह प्रोफेशनल काम के लिए या फिर उन जगहों पर जहां पर अधिक डीटेल की जरूरत पड़ती है, वहां पर उचित नहीं है।

नए इमेज- फोकस स्टैकिंग तरीके से आप अपने कैमरे को 7 से 100 से अधिक इमेज शूट कर सकते हैं अपने स्टैक के लिए। पहले से फीड नंबरों से कैमरा शूटिंग फोकस दूरी को गिनता है। उदाहरण के तौर पर 7 इमेज स्टैक के लिए वह बड़ा फोकस एरिया चुनेगा और 25 से अधिक इमेज स्टैक के लिए वह छोटा फोकस चुन सकता है। यह फाइनल इमेज अधिक शुद्धता के साथ देता है मैक्रो फोटोज़ के लिए।

कैमरा से सीधे बाहर निकल कर इमेज बेहद सुंदर और रंगों में शुद्धता व सटीक होते हैं। वहीं कुछ को इन-बिल्ट डिजिटल लेंस ऑप्टिमाइज़र (DLO) से बनाना पड़ता है। अधिकतर इस पर निर्भर करते हैं कि कैमरे को उपयोग करने के अनुसार किस प्रकार बैलेंस किया है। कैमरे से निकले हुए स्किन टोन व रंग मनभावन होते हैं।

यह इमेज सटीक स्किन टोन, रंगों इत्यादि दिखाती है। यह खूबसूरती केवल फुल फ्रेम कैमरा ही दे सकता है।

यह कैमरे में मेरा पसंदीदा फीचर है जो कि मुझे लो-एंगल व दिलचस्प टॉप-डाउन एंगल को 100 फीसद दक्षता के साथ पाने में मदद करता है। पहले यह मुश्किल था मेरे लिए, पर अब यह न केवल आसान है बल्कि हर बार उतना ही सटीक भी है। मेरे द्वारा शादी के सेट अब अच्छे लगते हैं क्योंकि अब कई एंगल से क्लिक होते हैं। अब टॉप-डाउन करना आसान है, या फिर लो-एंगल शूट या कम जगह पर शूट करना बहुत ही आसान।

कैनन एक अच्छा ब्रांड है और सभी कैनन उपयोगकर्ताओं के लिए एक मिररलेस कैमरा अपनी किट में जोड़ना कैनन की अद्भुत पहल है।

EOS RP आता है EF-RF अडैप्टर के साथ जो कि आपको सारे EF और EFS लेंस को इस्तेमाल करने देगा इसके नए मिररलेस कैमरे से और जहां तक कि मेरा मानना है, EF लेंस तेज काम करते हैं EOS RP और EOS R पर। इसका कुछ जुड़ाव सेंसर इत्यादि से है लेकिन नतीजे बहुत बढ़िया हैं।

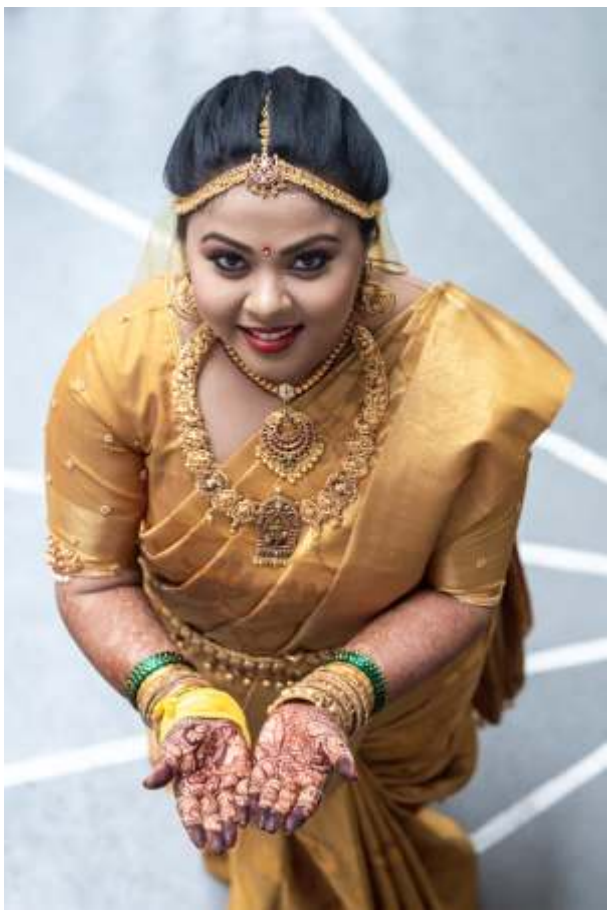

बतौर फोटोग्राफर मेरे लिए EOS RP के साथ शूट करना अब मजे की बात है। यह काफी तेज है और अच्छे नतीजे देता है। इसने मुझे पहले से ज्यादा आत्मविश्वास से लबरेज़ कर दिया है। सबसे अच्छी बात है कि अब मेरे पास शॉट्स से प्रयोग करने का और भी समय मिल गया है।

कैनन फोटो मेंटर - अंकित सिंह

महान विभूतियाँ

तंजावुर नतेशाचारी अय्यम पेरूमल

MFIAP, FRPS, Hon.FIP, Hon.YPS

(1932 - 2017)

टी.एन.ए. पेरूमल

वाइल्डलाइफ व नेचर फोटोग्राफी के वरिष्ठ व महान विभूति टी.एन.ए. पेरूमल का जन्म 15 नवंबर, 1932 को थंजवुर में हुआ था। थंजवुर यानी तमिल संस्कृति, कला व संगीत की भूमि। उनके पिता एक सुनार थे जो दुर्भाग्य से काफी पहले चल बसे, उनकी मृत्यु के बाद पेरूमल के परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई। साधारण मध्यवर्गीय परिवार में जन्मे पेरूमल का बचपन शोकजनक बीता। करीब दस साल की उम्र में उन्होंने अपनी माता को खो दिया और उसके कुछ साल बाद पिता भी चल बसे।

इलेक्ट्रानिक्स, ड्राइंग-स्केचिंग, फोटोग्राफी और असल जिंदगी की हंटिंग कहानियां पढ़ने का उन्हें बहुत शौक था। एक बार उन्होंने जिम कॉर्बेट की किताब "मैन ईटर ऑफ कुमाऊं" पढ़ी। अनेक शिकारियों से मिलने व उनके साथ समय बिताने के बाद पेरूमल को यह एहसास हुआ कि वह यह काम नहीं कर सकते और फिर उनका दिल वाइल्फलाइफ फोटोग्राफी में लग गया। एक बार ऐसी ही एक यात्रा में वह प्रसिद्ध वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर ओ.सी. एडवर्ड्स से मिले। उन्होंने पेरूमल को वर्ड फोटोग्राफी के बारे में काफी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी, फलस्वरूप पेरूमल को बर्ड फोटोग्राफी के प्रति जिज्ञासा और आकर्षण उत्पन्न हो गया।

पेरूमल और एडवर्ड्स दोनों साइकिल से बर्ड सैंचुरी जाते थे। उनके लिए एडवर्ड्स "गुरूजी" थे। पेरूमल ने एडवर्ड्स के साथ कुछ यादगार वर्ष बिताए। बाद में एडवर्ड्स ने अपना पहला प्रोफेशल कैमरा रोलीकॉर्ड II TLR पेरूमल को भेंट स्वरूप दिया।

पेरूमल के मुताबिक, 'मुझे टारगेट शूटिंग के नियम व पेंचीदगियों से परिचय कराया गया। बतौर राइफलमैन, मैंने जंगलों में अपने मुताबिक शूटिंग की। शुक्र है कि मेरे "शिकार" के दिन व अनुभव सीमित थे। मैंने जल्द ही बन्दूक को कैमरे से बदल लिया और एक नए-रोचक सफर के लिए निकल पड़ा - नेचर व वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी।

वह बेहद खुश थे कि उन्होंने शिकार कम दिनों के लिए किया और गन को कैमरे के लिए रिप्लेस कर दिया। उन्होंने भारत के जंगलों, स्वैम्प, कई सैंचुरी इत्यादि का भ्रमण किया और पूर्वी अफ्रीका में फोटो सफारी में भी गए। वह कहते थे कि वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी केवल उसी के लिए है जिसमें संयम है।

भारतीय वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी को अंतर्राष्ट्रीय शिखर तक पहुंचाने का श्रेय पेरूमल को जाता है। उन्होंने कोडैक कलर फिल्म्स की E3 और E6 प्रोसेसिंग के लिए केमेस्ट्री पढ़ी और अपने सीमित संसाधन से श्रेष्ठतम कार्य किए।

एनालॉग समय से आज की डिजिटल सदी तक का सफर उन्होंने सफलतापूर्वक पार किया। बड़ी आसानी से न केवल तकनीक से रूबरू हुए बल्कि उस तकनीक का इस्तेमाल कर बेहतरीन तस्वीरें क्लिक की।

मानवता के प्रतीक, उनके अनुशासन और परफेक्ट दिखने की चाह ने उन्हें अधिक कर्मठ बनाया और इसकी कला से उन्होंने

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

दिमाग के चक्षु के लिए कैमरा एक बटन है। - रोघू किंग्स्टन

जीवन में सफलता हासिल की। वह अपने खुद के आलोचक थे और सामान्य कोटि को बढ़ावा नहीं देते थे। वह हमेशा कहते थे कि अच्छी वाइल्डलाइफ फोटोग्राफ वह है जो कि जानवरों, चिड़ियों और विभिन्न कीड़ो के रहन-सहन, सामान्य और असामान्य परिस्थितियों में दर्शाए, प्रकृति के प्रति उसका जुड़ाव दिखाए और उनकी चाल, और मूड को अच्छे कंपोजिशन में दर्शाए।

1961 में वह मैसूर फोटोग्राफी सोसाइटी से जुड़े, जहां डॉ. जी. थॉमस, सी. राजागोपाल और ओ. सी. एडवर्ड्स के साथ मिलकर काम करने का मौका मिला। यहां वह बतौर सचिव व कोषाध्यक्ष के रूप में दो टर्म तक जुड़े। 1962 में वह फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी के सदस्य बने और अंत तक इससे जुड़े रहे। उन्होंने यहां FIAP के नेचर डिविजन में सचिव के तौर पर अपनी सेवाएं दी।

वह उर्वर यानी प्रोलिफिक एग्जिबिटर रहे हैं। यहां 1500 से अधिक स्वीकार्यताएं और लगभग 200 अवार्ड व सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट उनके हिस्से रहे हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों से उन्हें नवाजा जा चुका है - AFIAP 1963 में और EFIAP 1968 में। 1977 के दौरान उन्हें रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन से एसोसिएटशिप (ARPS) मिली, केवल एक साल बाद 1978 में रॉयल सोसाइटी की प्रेसटीजियस फेलोशिप (FRPS) भी मिली, 1983 में उन्हें सबसे महत्वपूर्ण प्रॉलिफिक हॉनर मास्टर फेडरेशन इंटरनेशनल डी-एल आर्ट फोटोग्राफीक (MFIAP) प्रदान किया गया।

उन्हें 1975 में नेशनल प्रेस काउंसिल अवार्ड से नवाजा गया, साथ ही कर्नाटक ललित कला अकादमी अवार्ड से नेचर फोटोग्राफी के लिए 1995 में सम्मानित किया गया। वर्ष 2011 में फोटोग्राफी के लिए राष्ट्रीय सम्मान, लाइफटाइम अचीवमेंट भारत सरकार (मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉरमेशन व ब्रॉडकास्टिंग) द्वारा मिला।

पेरूमल साहब ने कई किताबें भी लिखीं-

- फोटोग्राफिंग वाइल्डलाइफ इन इंडिया
- सम साउथ इंडियन बटरफ्लाइज - अ फील्ड गाइड टू बटरफ्लाइज
- को-एडिटेड- "एनकाउंटर इन द फॉरेस्ट" एम. एन. जयकुमार - एन एंथलॉजी ऑफ कर्नाटक वाइल्डलाइफ
- को-एडिटेड "आइ इन द जंगल" - कलेक्शन ऑफ एम कृष्णन फोटोग्राफ व राइटिंग्स
- को-ऑथर इंडियन इंसेक्ट्स - अ फील्ड गाइड टू इंडियन इंसेक्ट्स
- रेमिनिसेंसिज ऑफ द वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर - पेरूमल की आत्मकथा

यह एक 327 पेज की, ए4 आकार की किताब है जिसमें 159 रंगीन व 93 ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ हैं जो कि 50 वर्षों के अन्तराल में अथक परिश्रम द्वारा खींची गई हैं।

इस लेख में प्रयोग की गई तस्वीरें इसी किताब से ली गई हैं; यहां मैं यह भी बताना चाहूंगा कि टी.एन.ए. पेरूमल साहब ने मुझे यह खूबसूरत प्रकाशित किताब उपहार स्वरूप दी जब मैं 2013 में बेंगलुरू गया और उनसे मिला। सोने पर सुहागा ये कि इसमें उन्होंने अपने दस्तखत भी किए। यह मेरे लिए एक गर्व की बात है और किसी खजाने के जैसे ही मैंने इसे संभाल कर रखा है।

मुझे तीन बार पेरूमल जी से मिलने का सुअवसर प्राप्त हुआ, तीनों बार ये मुलाकातें बंगलूरू में हुई, अवसर थे - दो बार यूथ फोटोग्राफिक सोसाइटी के अखिल भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय फोटो सैलन की जजिंग के समय और तीसरी बार जब बंगलूरू में FIAP नेचर वर्ल्ड कप अन्तर्राष्ट्रीय फोटोग्राफिक सैलन का आयोजन हुआ। पेरूमल जी को मैने बहुत ही गंभीर, कम बोलने वाला, लेकिन अति सौम्य और धरती से जुड़े हुये व्यक्ति के रूप में पाया।

कुछ समय अस्वस्थ रहने के बाद 8 फरवरी 2017 में पेरूमल जी अनन्त में विलीन हो गये।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

रचना (कम्पोजीशन) की कला

मुकेश श्रीवास्तव

FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

एक खूबसूरत सा कैनवास और उस पर आकर्षक चित्रकारी। कुछ ऐसी ही कला है फोटोग्राफी। कलाकार की बनाए हुए स्थान और बैकग्राउंड और उसमें सब्जेक्ट को कुछ ऐसे रखना कि एक कहानी बन जाए। पेंटिंग अंततः आंखों को लुभावनी लगनी चाहिए। वैसे ही, जिस फोटो को आप अपने कैमरे में उतारने जा रहे हैं उसमें कोई कहानी या कुछ अर्थ होना बेहद जरूरी है। जब भी आप किसी फ्रेम को कैप्चर करने चलें, चंद क्षणों के लिए फ्रेम की कल्पना करें और खुद को ऐसी जगह खड़ा करें जहाँ से नजारा आपको अधिकतम बेहतर लगेगा। यहाँ रचना यानि कि कम्पोजीशन की जानकारी होना बहुत जरूरी है। आपको अच्छी फिल्में देखनी चाहिए और हर फ्रेम के कम्पोजीशन पर गौर करना चाहिए। इससे बहुत सीखने को मिलेगा। यहाँ कुछ फिल्मों के नाम हैं जिससे आप कम्पोजीशन सीख सकते हैं।

पथेर पांचाली- आकर्षक ब्लैक व व्हाइट फोटोग्राफ

ब्लो अप- खूबसूरत फोटोग्राफ

रियर विंडो- अच्छे दृश्य

ले जेटे- ब्लैक एंड व्हाइट फोटोग्राफ

ट्रेन स्पॉटिंग- खूबसूरत लाइटिंग तकनीक का प्रयोग

माया दर्पण- मनमोहक रंगीन तस्वीरें

कम्पोजीशन के अहम नियम हैं-

"फोटोग्राफी का मतलब है खोज और पहचानना" - अंसेल एडेम्स

"यदि आप किसी चीज पर ध्यान देते हैं तो वह आपका ध्यान और अधिक आकर्षित करती है" - मैरी ऑलिवर

फोटोग्राफी किसी कविता लिखने जैसा है। कवि पहले अपने मन की भावनाओं की कल्पना करता है, उसके बाद वह कविता लिखने के लिए शब्द और वाक्य का प्रयोग करता है।

वैसे ही, फोटोग्राफर को उस फ्रेम की कल्पना करनी चाहिए जिसे वह कैप्चर करना चाहता है। इसके उपरांत उसे यह देखना चाहिए कि फेम के लिए कौन से तत्व जरूरी हैं और यह कि किस एंगल पर इमेज अधिक और अर्थपूर्ण होगी। लाइट की स्थितियों को देखते हुए फोटोग्राफर को अपर्चर और शटर स्पीड सेट करनी होगी। इसके बाद वह कैमरा क्लिक करे और लाजवाब फोटो हासिल करे।

थर्ड्स का नियम

एक अच्छी रचना के लिए सबसे अच्छी और स्वीकार्य तकनीक है थर्ड का नियम। इसमें आप अपना सब्जेक्ट ऑफ सेंटर रखते हैं, ऐसा इसलिए क्योंकि सब्जेक्ट बीच में रखा हुआ अच्छा नहीं लगा रहा था। इस व्यूफाइंडर में आप ग्रिड देखिए जो कि फ्रेम का थर्ड में हिस्सा कर रही है। चार केंद्र (लाल रंग में गोले) को पावर प्वाइंट कहा जाता है और इन चार में से किसी भी जगह सब्जेक्ट को रखने से आपकी इमेज आकर्षक और दिलचस्प दिखेगी। (देखिये Fig- 1, 2, 2A and 2B)

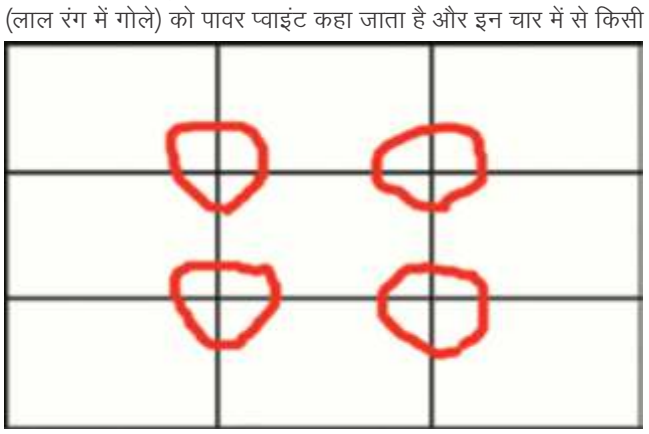

Fig-1

Fig-2

Fig-2A

आप थर्ड को हॉरिजॉन्टल (लेटा हुआ) व वर्टिकल इलिमेंट (खड़ा हुआ) में इस्तेमाल कर सकते हैं जैसे कि हॉरिजॉन लाइन्स, पेड़ व इमारतों के किनारे। नोट- अपना हॉरिजॉन फ्रेम के बीच में न रखें।

Fig-2B

थर्ड के नियम पर काम करें और आप पाएंगे कि आपकी फोटोग्राफी स्किल अपने आप सुधर रही हैं। लेकिन उसमें फंस मत जाइए। सेंटरिंग से कभी-कभी सर्वश्रेष्ठ नतीजे मिलेंगे और कभी-कभी फ्रेम के करीब किनारे पर तत्वों को रखना बेहतर होता है। थर्ड से शुरू कीजिए और खुद सोचिए कि आपके लिए क्या सही है। आपको अच्छे नतीजों के लिए एकदम थर्ड पर ही नहीं टिकना है। कभी-कभी बीच से थोड़ा हटा देना भी कमाल करता है। यहां Fig-2B में इलिमेंट्स निचली ओर पहली पावर प्वाइंट के करीब हैं। आसमान और बादल दूसरे पावर प्वाइंट के उपरी ओर के करीब हैं। यह कम्पोजीशन आपको देता है लीड लाइन, देखने वाले बाईं ओर के नीचे से दाईं ओर पावर प्वाइंट तक देखेंगे।

बैकग्राउंड

अपने सब्जेक्ट को अगर बेहतरीन तरह से दिखाना है तो एक अच्छा तरीका है कि आकर्षक बैकग्राउंड पर काम करें। इस बात का ध्यान रखें कि आपके सब्जेक्ट के पीछे क्या चल रहा है। डेप्थ ऑफ द फील्ड प्रिव्यू बटन का इस्तेमाल करें और फील्ड की गहराई को मापें। एक अच्छा तरीका अच्छा बैकग्राउंड चुनने का यह है कि वह सब्जेक्ट के थोड़ी दूरी पर हो। इसके बाद अपर्चर वैल्यू का इस्तेमाल कीजिए कम गहराई के लिए। यह खासतौर पर क्लोज अप फोटोग्राफी के लिए प्रयोग किया जाता है।

यहां Fig-3 में, आप देख सकते हैं कि बैकग्राउंड पूरी तरह से ब्लर है और मुख्य सब्जेक्ट शार्प फोकस पर है। ऐसा इसलिए क्योंकि मैंने कैमरे का अपर्चर 2.8 के कम अंक पर रखा है ताकि फील्ड की कम गहराई आए। इसलिए याद रखिए कि कम अपर्चर नंबर का प्रयोग कम गहराई के लिए कीजिए और बड़ा अपर्चर नंबर अधिक गहराई के लिए कीजिए।

Fig-3

लाइन, कर्व, आकार और दुहराव

Fig-4

जब आप कोई नजारा व आर्किटेक्चर देखते हैं तो लाइन, कर्व, आकार व प्रकार जैसे ग्रैफिकल तत्वों को जरूर देखा कीजिए। फोटोग्राफ में अनेक प्रकार की लाइन होती हैं कल्पना करने के लिए, जैसे कि सीधी, टेढ़ी, डायगनल, लीड लाइन, इत्यादि। कन्वर्जिंग यानि जो लाइन एक जगह मिलती हो वह दूरी व गहराई बताने के काम आती है। डायगनल लाइन मोशन व गहराई बताती है। हॉरिज़ॉन्टल लाइन शांत होती हैं। वर्टिकल गर्वित होती हैं। इम्पलाइड लाइन वैसे तो कोई लाइन नहीं होती पर फ्रेम के सब्जेक्ट व अन्य तत्वों के अनुसार यह बन जाती हैं, यह लाइन देखने वाले बिंदु से बिंदु जोड़ कर बना लेते हैं।

कर्व हर जगह मिलते हैं। जैसे कि पत्ते का कर्व, नदी का कर्व, रेत का कर्व, इत्यादि। एस व सी कर्व भी होते हैं, लाइन के जैसे ही, ये इम्पालइड कर्व होते हैं।

एस-कर्व बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, ये एक प्राकृतिक जरिया बन जाते हैं देखने वालों को तस्वीर की गहराई तक ले जाने के लिए। फ्रेम में जियोमैट्रिकल आकार जैसे कि गोलाई व त्रिकोण को खोजिए। चट्टान व बूंदों में गोलाई मिल जाएगी, पर्वत में त्रिकोण खोज लेंगे। सर्किल शांत होते हैं, त्रिकोण में ठहराव होता है।

यदि आप फ्रेम में ग्रैफिकल एलिमेंट जोड़ेंगे तो आप जुड़ाव और बहाव बना लेंगे (Fig-4 देखिए)। पहाड़ों के त्रिकोण पेड़ों के त्रिकोण में भी दोहराए जा सकते हैं। यह पहाड़ और पेड़ों के बीच जुड़ाव बनाता है।

तत्वों का संतुलन (बैलेंस एलिमेंट्स)

थर्ड के नियम इस्तेमाल करने से एक खालीपन आ जाता है इमेज में। इस कोरेपन से बचने के लिए आपको इमेज को बैलेंस करना पड़ेगा। इसके लिए एक और ऑब्जेक्ट जो कि कम महत्ता रखता हो का इस्तेमाल कीजिए उस रिक्त स्थान को भरने के लिए। Fig-5 में यदि यह नाव न होती तो इमेज खाली दिखती। इस नाव के बाद फ्रेम संतुलित लग रहा है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

'शटर खोलने से पहले देखिए और सोचिए। दिल और दिमाग कैमरे के असली लेंस हैं' - यूसुफ कार्श

Fig-5

सिमेट्री (समरूपता)

Fig-6

Fig-6A

सिमेट्री यानि कि समरूपता प्राकृतिक भी हो सकती है और बनी-बनाई भी। वह लुभावनी होने के साथ-साथ इमेज की गहराई व जानकारी भी देती है। (Fig-6 व Fig-6A देखिये)

लीडिंग लाइन

Fig-7

हमारी आंखें कुदरती रूप से लाइन को फॉलो करती हैं। इस बात को हमेशा याद रखें कि नज़र हमेशा बाएं से दाएं जाती है। इसलिए वह लाइन आदर्श है जो बाएं ओर के निचले कोने से जाकर दाईं ओर के ऊपरी कोने में जाती है। लीड लाइन बाएं फ्रेम से दाएं, फ्रेम के नीचे से ऊपर, फ्रेम के निचले हिससे के बीच से दोनों ऊपरी कोने तक जाती है। इमेज की ओर आकर्षण खींचने के लिए आप लाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं। लाइन सीधी, डायगनल, कर्वी व जिगज़ैग हो सकती है। अपनी रचना में इजाफा करने के लिए इनका इस्तेमाल जरूर करें। (Fig-7 देखिये)

गहराई

Fig-8

Fig-8A

Fig-8B

फोटोग्राफी टू-डायमेंशन माध्यम है (कंपनियां अब 3-डायमेंशन फोटोग्राफी की ओर प्रयास कर रही हैं) इसलिए आपको इमेज की गहराई को क्रिएट करना होगा और साथ ही सामने की ओर वाली इमेज को भी (Fig-8, 8A & 8B), ताकि आपके पास लेयर्स हों। मानव की आंखें इन लेयर्स को पहचान कर उसमें गहराई खोज लेती हैं।

आंखों की पोजिशन

Fig-9

पोट्रेट बनाते समय, आंखों को हमेशा इमेज की मध्य लाइन के ऊपर होना चाहिए। आंखों के स्तर से फोटो लेने से बचिए। अन्य विंटेज बिंदुओं पर काम करके फोटो में रस डाल सकते हैं। लो-एंगल फोटोग्राफ इमेज को अधिक अच्छी बनाती हैं वहीं हाई-एंगल फोटोग्राफ कम आकर्षक लगती हैं।

नेगेटिव स्पेस से बचें

नेगेटिव स्पेस से पूरी तरह बचें। आप अपने फ्रेम में रिक्त स्थान छोड़ देंगे जिससे फोटो अंत में खराब लगेगी।

कर्व लाइन

Fig-10

हमारी आंखें प्राकृतिक रूप से बराबर एक लाइन में हैं। जो कि आपकी कम्पोजीशन को बराबर यानी लाइन में रखती हैं। फ्रेम को कर्व लाइन जैसे कि एस (S) कर्व में कंपोज कर सकते हैं। (Fig-10)

डायगनल कम्पोजीशन

Fig-11

जियोमैट्रिकल डिजाइन

Fig-12

रूप और बनावट

Fig-13

विशेषज्ञ की राय

पहले कैमरा ऑफ कर के अपने कम्पोजीशन को खोज लीजिए। आसपास देखिए, थोड़ा झुकिये, नज़र घुमाइए, और अपनी रचना के लिए सबसे उम्दा पोजिशन पाइए।

उत्तर प्रदेश फोटो-एक्सपो 2019, लखनऊ

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

शटर को क्लिक करने से बेहतर है लोगों के साथ क्लिक किया जाए - अल्फ्रेड

वर्कशॉप व अन्य कार्यक्रम

प्रयागराज

बाराबंकी

रायबरेली

बरेली

बस्ती

प्रयागराज

कानपुर

लखनऊ

फूड फोटोग्राफी एडं स्टाइलिंग
एक परिचय

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

समय के साथ खाद्य जगत में बहुत सारे बदलाव आये है। जो उद्योग अब तक सिर्फ कुकिंग, बेकिंग या खाद्य संरक्षण से जुड़े कैरियर्स के लिए ही जाना जाता था आज डिजिटल ने उसको बुलंदियों पर पहुँचा दिया है। फूड डिलीवरी एवं पिक्चर शेयरिंग एप्स ने फूड इंडस्ट्री को न सिर्फ नया आयाम दिया है परन्तु उससे जुड़े कई नए कैरियर्स के भी रास्ते खोले हैं। प्रतिदिन खुलने वाले नए कैफ़े, रेस्टोरेंट्स और रोज़ लांच होने फूड प्रोडक्ट्स ने खूबसूरत फूड फोटोज की ज़बरदस्त डिमांड बढ़ा दी है जिसकी वजह से फूड फोटोग्राफी और फूड स्टाइलिंग जैसे कई अपरंपरागत कैरियर्स में भी कई गुना इजाफा हुआ है। कुछ वर्षो पहले तक जहाँ फूड फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी या टेबल टॉप फोटोग्राफी का ही अंश हुआ करती थी आज अपने आप में एक अलग लोकप्रिय रचनात्मक शैली बन चुकी है।

We eat with our eyes first - यह कहावत फूड जगत में बहुत ही लोकप्रिय है। कहते हैं कि हम भोजन पहले आँखों से चखते हैं, सुनने में अटपटा सा ज़रूर लगता हैं परन्तु यह सत्य है, वैज्ञानिक शोध भी यही कहते हैं कि हम भोजन खाने में 3 इन्द्रियों का प्रयोग करते हैं, क्रमशः जीभ - स्वाद के लिए, नाक - सुगंध के लिए और आँखें - खाद्य पदार्थ का रंग रूप देखने के लिए। खाद्य चित्रों में आँखों का बड़ा योगदान होता है और वह हमारी अन्य दोनों इन्द्रियों को सक्रिय कर देते हैं। इसको उदहारण के साथ समझना ज़्यादा आसान होगा - उस लोकप्रिय फ़ास्ट फूड चैन के बर्गर की कल्पना कीजिये जिसको होर्डिंग में देखते ही आपके मुँह में पानी आ जाता है - नरम बन की दोनों परतो के बीच टिक्की, पिघलती हुई चीज़, सुर्ख लाल टमाटर के स्लाइसेस, ताज़े हरे सलाद के पत्ते और इन सब के किनारो से टपकता हुआ मेयोनेज़ - ऐसी पर्फेक्ट्ली स्टाइल्ड एंड क्लिकेड पिक्चर ने कितनी बार आपको बर्गर आर्डर करने पे मजबूर किया होगा। ठीक इसी तरह से सारे ही खाद्य पदार्थो की मनमोहक तस्वीरें खींची जाती है ताकि आप उन्हे खरीदना चाहें।

सरल शब्दों में यदि बोला जाये तो फूड फोटोग्राफी, प्रोडक्ट फोटोग्राफी या टेबल टॉप फोटोग्राफी का ही एक अंग हैं परन्तु फूड के बढ़ते प्रचलन से यह स्वयं में एक अलग स्वतंत्र उप भाग बन गया है। फोटोग्राफर के साथ एक फूड स्टाइलिस्ट का भी फूड को मनमोहक बनाने में उतना ही सहयोग होता है। जहाँ एक स्टाइलिस्ट (स्वतंत्र कार्य करके या एक शेफ के साथ टीम करके) फूड को कैमरे के लिए प्रजेंटेबल बनाता है वहीं एक फोटोग्राफर अपने कुशल कार्य क्षमता से सर्वोत्तम लाइट एंड कैमरा एंगल का इस्तेमाल करके उसकी खूबसूरती को चार चाँद लगाता है। अक्सर लो बजट शूट्स में फोटोग्राफर स्टाइलिस्ट का भी कार्य भार संभालता है और अपने एक्सपीरियंस के अनुसार प्लेटिंग और प्रेजेंटेशन करता है।

समय के साथ खाद्य उद्योग में बहुत बदलाव आया है, ठीक उसी तरह से जैसे वैरायटी के लिए हम पारम्परिक व्यंजनों के साथ-साथ मल्टीकुजिन व्यंजनों का आनंद लेने लगे है, फोटोग्राफी की पारम्परिक शैलियों में भी काफी बदलाव आया है। 1950-60 में फूड फोटोग्राफी के नाम पे संपूर्ण टेबल या बड़े सर्विंग कंटेनर को खूब सजा संवार के प्रस्तुत किया जाता था,

1970-80 सुर्ख सफ़ेद क्राकरी और विस्तृत वेजिटेबल कार्विंग का रहा। 1980 के बाद फूड फोटोग्राफी में बहुत बदलाव आए। वाइट स्पेस को काफी इम्पोर्टेंस दी जाने लगी, छोटे सर्विंग साइज को ध्यान में रखते हुए ही प्लाटिंग की जाने लगी, काफी दशकों से इस्तेमाल हो रहे ओवरहेड पर्सपेक्टिव, स्ट्रांग लाइट और नैरो अपर्चर की जगह सॉफ्ट डिफ्यूज्ड लाइट, शैलो अपर्चर और कलात्मक एंगल्स का काफी उपयोग होने लगा।

डिजिटल फोटोग्राफी और इंटरनेट एरा शुरू होते ही फूड फोटोग्राफी में भी क्रांति सी आ गयी और फूड फोटोग्राफी अपने आप में एक नयी स्ट्रीम बन गयी। खाद्य पदार्थ या व्यंजनों के आलावा काफी अतिरिक्त सामग्री भी इस्तेमाल की जाने लगी। नयी शताब्दी कई नए डिजिटल आयामों के साथ आयी और उनमे से एक था ब्लागिंग। फूड ब्लाग्स ने नया फूड कल्चर शुरू कर दिया और देखते ही देखते रेस्टोरेंट्स, कैफ़े, फूड मैगजीन्स और डिजिटल एडवरटाइजिंग में भी बहार आ गयी और फूड फोटोग्राफी फूड बिज़नेस का एक महत्त्वपूर्ण अंग बन गयी।

खाद्य फोटोग्राफी की प्रक्रिया छवि के उपयोग / उद्देश्य को समझने के साथ शुरू होती है। सबसे पहले यह जानना बहुत महत्त्वपूर्ण है की छायाचित्र का उपयोग कहा होना है - विज्ञापन में, पैकेजिंग के लिए, किसी पत्रिका या कुकबुक के लिए या फिर डिजिटल मीडिया के लिए। इसके बाद आता है शूट को विज्युलाइज करने का काम जिसके लिए एक स्टोरी बोर्ड या फिर एक रफ़ लेआउट बनता है। यदि शूट किसी एडवरटाइजिंग एजेंसी के लिए हो रहा है तो यह कार्य मूलतः उस ब्रांड को हैंडल करने वाला आर्ट डायरेक्टर करता है जिसे बखूबी पता होता है कि चित्र कहाँ और कैसे इस्तेमाल होना है। इसके बाद शुरू होता है फोटोग्राफर और उसकी टीम का काम (जिसमें अक्सर क्लाइंट बजट के अनुसार एक फूड स्टाइलिस्ट या फिर शेफ होता है, जिसे खाद्य पदार्थ को मनमोहक स्वरूप देने में और सहयोगी सामग्रियों इत्यादि का चयन करने में महारत हासिल होती है)। यदि फूड फोटोग्राफर को स्टाइलिंग, अतिरिक्त सामग्रियों के चयन इत्यादि की अच्छी जानकारी है तो अकसर वह यह दोनों ही कार्य बखूबी निभा लेता है।

फूड फोटोग्राफी की सबसे मुख्य क्वालिटी है खाद्य पदार्थ की खूबसूरती के साथ-साथ उसका टेक्सचर मेनटेन करना जिसमें लाइट एक बहुत ही एहम भूमिका निभाती है।

फूड फोटोग्राफी की पूरी प्रक्रिया काफी लम्बी होती है। शूट शुरू होने के पहले सबसे अच्छे आकार और लुक्स वाले खाद्य पदार्थ को फाइनल शॉट के लिए अलग रख लिए जाता है, इसे 'हीरो फूड' नाम से सम्बोधित किया जाता है। संपूर्ण सेटअप बनने के बाद लाइट्स को सेट किया जाता है, इस दौरान कम अच्छे दिखने वाले फूड्स को रख कर टेस्ट शॉट लिया जाता है, सब कुछ जब परफेक्ट होता है तो इन रखे हुए फूड्स को हटाकर 'हीरो फूड' रख के फाइनल पिक्चर खींची जाती है। स्टैंड इन फूड ठन्डे या जमे हुए खाद्य पदार्थ की फोटोग्राफी के दौरान बहुत इस्तेमाल किये जाते हैं। हाथो और स्टूडियो लाइट्स की गर्मी से कई फूड का टेक्सचर खराब हो जाता है ऐसे में भी स्टैंड इन फूड का बहुत उपयोग होता है। उन् शूट्स में जहाँ प्रोडक्ट जल्दी ख़राब नहीं होते अक्सर हीरो फूड के साथ ही सेटअप अरेंज किया जाता है। फूड फोटोग्राफी में पोस्ट प्रोसेसिंग की भी बहुत महत्तवपूर्ण भूमिका है, रंग और टेक्सचर इम्प्रूव करने के आलावा अक्सर लेबल्स, भाप इत्यादि भी इसी दौरान ऐड किये जाते हैं।

"Great light can make the food whereas bad light can kill it" अर्थात अच्छी लाइट साधारण से दिखने वाले खाने को भी चार चाँद लगा सकती है जबकि खराब लाइट अच्छी तरह से तैयार एवं स्टाइल्ड खाने को भी बर्बाद कर देती है।

अन्य शैलियों की तरह फूड फोटोग्राफी में भी फोटोग्राफी के बेसिक नियम उपयोग किये जाते हैं और उन नियमो में से सबसे महत्वपूर्ण है लाइट का सही इस्तेमाल। सॉफ्ट डिफ्यूज्ड लाइट फूड फोटोग्राफी के लिए सर्वोत्तम होती है, जबतक की आपको किसी ख़ास थीम के अंतर्गत हाई कंट्रास्ट एंड प्रमुख शैडो न दिखाने हो आप सॉफ्ट लाइट से सिंपल से फूड को भी मनमोहक बना सकते हैं। नेचुरल लाइट को भी डिफ्यूज करके उसे प्रयोग किया जा सकता है। प्रोफेशनल लाइट डिफ्यूजर्स के आभाव में सफ़ेद मलमल का हल्का कपडा, पैराशूट क्लॉथ या साधारण बटर पेपर को लाइट सोर्स के ऊपर लपेट के इस्तेमाल कर सकते हैं, शैडो एरिया को प्रोफेशनल रिफ्लेक्टर या वाइट/सिल्वर शीट से आसानी से रोशन कर सकते है।

अगर आप फूड फोटोग्राफी की शुरूआत कर रहे है तो यह प्वाइंट्स आपको एक अच्छी फोटो खींचने में मदद करेंगे।

- शुरूवात में सब्जेक्ट सिंपल रखिये
- सब्जेक्ट को ध्यान में रखते हुए क्राकरी, बैकग्राउण्ड और कैमरा एंगल चुनिए
- सॉफ्ट डिफ्युज्ड लाइट का उपयोग करिये
- अपर्चर shallow रखिये और खाद्य पदार्थ के सबसे महत्त्वपूर्ण /खूबसूरत एरिया पर फोकस कर क्लिक कीजिये।

इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने फूड फोटोज को एक नया आयाम दे सकते हैं।

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

'हर फोटो में दो लोग हमेशा होते हैं, एक फोटोग्राफर और एक देखने वाला' - अंसल एडैम्स

स्मार्टफोन एस्ट्रोफोटोग्राफी : फ़ोन से लें सितारों भरे आसमान की तस्वीरें

वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** स्मार्टफोन फोटोग्राफरों को एस्ट्रोफोटोग्राफी से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे रहे हैं।

आप में से बहुत से लोगों को स्मार्टफोन एस्ट्रोफोटोग्राफी दूर की कौड़ी लग सकती है। लेकिन तकनीकी सुधारों ने इसे संभव कर दिखाया है।

एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए हमेशा महंगे कैमरे की आवश्यकता नहीं होती है। हर दिन आपके द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले स्मार्टफोन का उपयोग भी एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए किया जा सकता है। हम सभी जानते है कि स्मार्टफोन के छोटे सेंसर साइज की तुलना में बड़े सेंसर साइज वाले एसएलआर कैमरा इस तरह की फोटोग्राफी के लिए कहीं बेहतर हैं। लेकिन इंस्टाग्राम, फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट करने लायक तस्वीरें लेना फोन से भी संभव है।

साल 2019 में किसी भी फ़ोन की बढ़िया तस्वीरें लेने की क्षमता को उसका सबसे महत्वपूर्ण फीचर माना जाता है। फ़ोन फोटोग्राफी में हार्डवेयर हो या सॉफ्टवेयर, हर तरफ क्रांतिकारी बदलाव हुए है। ऐसा ही एक क्षेत्र है लो-लाइट फोटोग्राफी। आज के कुछ एडवांस फ़ोन कैमरा बहुत ही कम रौशनी में भी अच्छी तस्वीरें ले सकते है। लेंस, अपर्चर, सेंसर, इमेज प्रोसेसर सभी पहले की तुलना में बहुत ज़्यादा एडवांस हो गए है। इस वजह से स्मार्टफोन की लो-लाइट फोटोग्राफी क्षमता में बहुत सुधार हुआ है। इन सुधारों की वजह से शौकिया फोटोग्राफर स्मार्टफोन एस्ट्रोफोटोग्राफी में संभावनाए तलाश रहे हैं। पहली बार सुनने में आप को शायद पूरी तरह यकीन न हो, लेकिन यह संभव है। यह सही है कि हर तरह की एस्ट्रो फोटोग्राफी फोन से नहीं की जा सकती। लेकिन निम्न बातों का ध्यान रखते हुए आप मिल्की-वे से लेकर स्टार ट्रेल्स की बेहतर तस्वीरें ले सकते है। आइए जाने किस तरह फ़ोन से रात के आसमान की बेहतर तस्वीरें ली जा सकती है।

1. 'स्टार गेजिंग' के लिए सबसे महत्वपूर्ण है लोकेशन का चुनाव- बचपन में खुले आसमान के नीचे सोते हुए आसमान में टिमटिमाते तारों को देखना मुझे बेहद पसंद था। आज शहरों में रहने वाले लोगों के लिए 'स्टार-गेजिंग' संभव नहीं रही। इसकी सबसे बड़ी वजह है लाइट पॉल्युशन। शहरों में हर तरफ बिजली की तेज़ रौशनी आसमान में दूर तक फैली होती है जिस वजह से तारे आसानी से नहीं दिखते। इसे 'लाइट पॉल्युशन' कहा जाता है। इसी वजह से 'नाईट-स्काई फोटोग्राफी' के लिए लोकेशन का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है।

शहरों से दूर पहाड़ो या गांव का चुनाव नाईट-स्काई फोटोग्राफी के लिए सबसे बेहतर विकल्प है क्योंकि वहां लाइट पॉल्युशन नहीं के बराबर होता है।

2. चाँद, तारे और गैलेक्सी आदि की पोजीशन की सही जानकारी - नंगी आँखों से आसमान में तारों आदि को ढूंढना बहुत मुश्किल है। इस काम के लिए ऐप स्टोर पर कई ऐप्स उपलब्ध है। जिनकी सहायता से फोटोग्राफर को आसमान में आकाशगंगा, ग्रह, सितारों आदि की सटीक पोजीशन की जानकारी आसानी से मिल जाती है। ऐप की सहायता से एडवांस में यह भी पता चल जाता है कि शूटिंग लोकेशन पर साल के किस समय गैलेक्सी या गृह आदि दिखाई देंगे। स्टार वाक 2, स्काई व्यू फ्री, सन सर्वेयर जैसे ऐप बहुत उपयोगी है।

आसमान में तारों व खगोलीय पिंड की रौशनी के अलावा जितनी कम रौशनी होगी तस्वीर उतनी बेहतर आएगी। इसलिए अमावस की रात या रात के उस समय का चुनाव करें जब चाँदनी न हो। क्योंकि 'नाईट स्काई' फोटोग्राफी में एक्सपोज़र कई सेकण्ड्स का हो सकता है। अँधेरे में सितारे व अन्य एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्जेक्ट्स की चमक बेहतर दिखती है। चाँद की स्थिति की सटीक एडवांस जानकरी के लिए भी ऐप्स उपलब्ध है। लम्बे एक्सपोजर के दौरान चाँद की रौशनी में काला आसमान ओवर एक्सपोज़ हो सकता है। गैलेक्सी व सितारों के साथ चाँद को फ्रेम में लेने से बचें। चाँद को फ्रेम में लेने पर वो ओवर एक्सपोजर की वजह से सफ़ेद धब्बे जैसा दिखाई देगा।

3. स्टैंड का इस्तेमाल : लॉन्ग एक्सपोज़र के दौरान किसी तरह का कैमरा शेक नहीं होना चाहिए इसके लिए ट्राइपॉड ज़रूरी है। फ़ोन को स्टैंड पर माउंट करने के बाद टाइमर या वाइस कमांड या रिमोट द्वारा फोटो लेने पर किसी तरह के कैमरा शेक की सम्भावना नहीं रहती।

4. मैन्युअल मोड : आज के एडवांस स्मार्टफ़ोन में पहले से बेहतर एक्सपोज़र कण्ट्रोल ऑप्शंस हैं, फिर भी आपके फोन का डिफ़ॉल्ट ऑटो कैमरा मोड ऐस्ट्रो फोटोग्राफी के लिए आदर्श नहीं है। एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए एक्सपोज़र को मैन्युअल कण्ट्रोल करना बेहतर है। इसके लिए आपके फ़ोन में मैन्युअल/प्रो मोड होना चाहिए। इनबिल्ट मैन्युअल मोड न होने की स्थिति में मैन्युअल कण्ट्रोल के लिए ऐप स्टोर से थर्ड-पार्टी प्रो कैमरा ऐप (कैमरा FV-5, ओपन कैमरा या प्रो-कैमरा आदि) डाउनलोड किये जा सकते है।

Source : Internet

Oneplus7pro 30sec 3200 ISO

सितारों की तस्वीरें कैसे लें (मैन्युअल मोड में सेटिंग्स) :

- मैनुअल मोड पर जा कर फोकस को मैन्युअली इंफिनिटी पर सेट करें क्योंकि कैमरा अँधेरे में अपने आप फोकस नहीं कर पाएगा।
- आईएसओ सेटिंग्स को बढ़ाए। क्योंकि रौशनी बहुत कम है इसलिए कैमरा के हिसाब से हाई-आईएसओ (1200-3200) का चुनाव करें। अलग-अलग फ़ोन में अलग-अलग हाई आईएसओ सेटिंग मिल सकती है। आप के फ़ोन कैमरा के हाई आईएसओ आउटपुट के हिसाब से सेटिंग्स का चुनाव करें। इससे डिटेल्स बेहतर आएगी। हाई आईएसओ की वजह से फोटो में आई अधिक नॉइज़ तस्वीर को एडिटिंग से कुछ हद तक कण्ट्रोल किये जा सकता है।
- रॉ फॉर्मेट में शूट करने पर एडिटंग के दौरान बेहतर रिजल्ट मिल सकते है।
- फ्रेम में चंद्रमा होने पर आकाश की तस्वीरें लेने से बचें। चंद्रमा से निकलने वाला प्रकाश लाइट बैलेंस को गड़बड़ कर सकता है। अगर आपका फोन अनुमति देता है तो शटरस्पीड को 15-30 सेकंड तक ले जाया जा सकता है। लॉन्ग शटर स्पीड अधिक प्रकाश कैप्चर करेगी। अगर आप स्टार ट्रेल नहीं चाहते तो निम्न फॉर्मूले का इस्तेमाल करे। 500 को कैमरा लेंस की फोकल लेंथ (35mm फॉर्मेट के बराबर) से डिवाइड करे। जैसे वन-प्लस 6T के स्टैण्डर्ड कैमरा की फोकल लेंथ 25mm है। 500/25 = 20। यानि तारों की तस्वीरें के लिए 20 सेकंड तक की शटर स्पीड पर स्टार ट्रेल नहीं बनेगी।
- मल्टी कैमरा सेटअप वाले फ़ोन में स्टैण्डर्ड/प्राइमरी कैमरा का अपर्चर हमेशा अन्य से बड़ा होता है। इसीलिए ऐस्ट्रो फोटोग्राफी के लिए सिर्फ स्टैण्डर्ड (फ़ास्ट अपर्चर) वाले कैमरा को तजरीह दे।

5. स्टार ट्रेल : स्टार ट्रेल बनाने के लिए मल्टीप्ल शॉट्स स्टैक करना बेहतर तरीका है। लेकिन इसके लिए आपको फ़ोन को स्टैंड पर माउंट करके निश्चित अंतराल पर ढेर सारी तस्वीरें लेनी पड़ेगी। फिर फोटोशॉप या स्टार स्टैक जैसे सॉफ्टवेयर की सहायता से तस्वीरों को जोड़कर स्टार ट्रेल की खूबसूरत तस्वीर तैयार की जा सकती है।

6. फ्रेमिंग : फोर-ग्राउंड में इंट्रेस्टिंग एलिमेंट (जैसे पेड़, टेंट, पहाड़, कार, ह्यूमन एलिमेंट आदि) तस्वीर को निखार सकते है। किसी टॉर्च की सहायता से इनको लाइट पेंट करके फ्रेम में शामिल करने पर तस्वीर निखर आती है।

7. इमेज प्रोसेसिंग महत्वपूर्ण है : वाइट बैलेंसिंग, नॉइज़ रिडक्शन, सैचुरेशन, कंट्रास्ट व शार्पनेस को एडिटंग के दौरान कण्ट्रोल करके बेहतर आउटपुट मिल जाता है। मल्टीप्ल फ्रेम्स को फोटोशॉप जैसे सॉफ्टवेयर द्वारा जोड़ कर न केवल बेहतर डिटेल मिल सकते है बल्कि नॉइज़ पर भी कुछ हद तक नियंत्रण मिल जाता है।

8. अगर आपके फ़ोन में **सेकेंडरी वाइड एंगल कैमरा** है तो भी उसका प्रयोग करने से बचें क्योंकि इसका अपर्चर प्राइमरी लेंस की तरह फ़ास्ट नहीं होता। इसकी जगह किसी अच्छे सेकंड पार्टी के एक्सटर्नल वाइड एंगल लेंस का प्रयोग मिल्की वे गैलेक्सी को क्लिक करने के लिए अच्छा रहेगा।

महत्वपूर्ण टिप्स :

- फ़्लैश और एचडीआर मोड का प्रयोग न करे।
- डिजिटल जूम के प्रयोग से बचे।
- एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए निकलने से पहले मौसम का ध्यान रखे। आसमान में बादल न हों।
- क्योंकि आप को अँधेरे में चलना पड़ेगा इसलिए टॉर्च को हमेशा साथ रखें।

रात की आसमानी तस्वीरें लेना उतना आसान नहीं है जितना कि दिन के उजाले में लैंडस्केप को कैप्चर करना। वास्तव में, एक्सपोज़र पर नियंत्रण की एक बुनियादी समझ के साथ, आप अपने फ़ोन से भी ठीक-ठाक एस्ट्रोफोटोग्राफ ले सकते हैं।

एस्ट्रोफोटोग्राफी मोड : गूगल पिक्सल-4 है एस्ट्रो-फोटोग्राफी का बादशाह

नए लांच पिक्सल-4 के एस्ट्रो मोड की बहुत चर्चा है। लेकिन यह मोड नया नहीं है। इससे पहले हुआवे पी30-प्रो में यह दिख चुका है। लेकिन पिक्सल-4 फ़ोन का मोड हुआवे से ज़्यादा एडवांस है।

रात के आकाश को शूट करने के लिए लम्बे एक्सपोजर की ज़रूरत पड़ती है। लम्बे एक्सपोज़र के दौरान पृथ्वी के घूमने की वजह से स्टार सफ़ेद रेखाओं (स्टार ट्रेल) में परिवर्तित हो जाते हैं। क्योंकि एक्सपोज़र की शुरूवात में शटर खुलने के समय तारे जिस पोजीशन में होते हैं शटर के बंद होने के समय उनकी स्थिति अलग हो जाती है।

पिक्सल-4 का एस्ट्रोफोटोग्राफी मोड नाईट मोड में समाहित है। अँधेरा होने की स्थिति में (आर्टिफीशियल इंटेलिजेन्स की मदद से) कैमरा सीन को पहचान कर अपने आप एस्ट्रो मोड में शिफ्ट कर जाता है। इस मोड में शूट करने पर एक फ्रेम पूरा होने में चार मिनट तक लग सकते हैं, लेकिन वास्तव में यह चार मिनट का लम्बा एक्सपोज़र नहीं है। इसके बजाय पिक्सेल-4 एक के बाद एक 15-15 सेकंड के एक्सपोज़र लेता है और फोन के जाइरोस्कोप और कम्प्यूटेशनल डेटा की मदद से हर एक्सपोज़र को रियल टाइम में अलाइन करके जोड़ देता है। यह एचडीआर+ का एडवांस रूप कहा जा सकता है।

इमेज प्रोसेसिंग के लिए गूगल के पास एक नया फीचर है जिसे 'सेमेटिक सेगमेंटेशन' कहा जाता है। यह शॉट में अलग-अलग ऑब्जेक्ट्स को पहचानकर अलग-अलग तरीके से प्रोसेस करता है। यह फीचर फोटो में जहाँ एक तरफ तारों की शार्पनेस बढ़ाता है वही तस्वीर के फोरग्राउण्ड को अलग से प्रोसेस करके डिटेल्स बढ़ता है। पिक्सेल 4 नॉइज़ को बहुत बेहतर तरीके से कण्ट्रोल करता है।

हुआवे मेट 30प्रो का स्टार-ट्रेल मोड व आईफोन का नाईट मोड भी बढ़िया रिजल्ट देता है। लेकिन गूगल पिक्सेल सबसे बेहतर है।

चतुर्थ तिमाही फोटो प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ और सराहनीय

सांत्वना (प्रथम)

प्रणव दास
दार्जिलिंग (वेस्ट बंगाल)

सर्वश्रेष्ठ

32GB पेन ड्राइव

प्रणव दास
दार्जिलिंग (वेस्ट बंगाल)

सांत्वना (द्वितीय)

पंकज जोगलेकर
नासिक (महाराष्ट्र)

सराहनीय

16GB पेन ड्राइव

निर्भय श्रीवास्तव
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

सांत्वना (तृतीय)

सुमित सुखदेव शिंदे
जालना (महाराष्ट्र)

STUDIO NEWS
लखनऊ, बुधवार, 6 नवम्बर 2019 से 5 दिसम्बर 2019

जब लोग मुझसे पूछते हैं मैं कौन सा उपकरण प्रयोग करता हूँ, मैं कहता हूँ - अपनी आंखें। - अनजान

बड़े लोग

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

एक बार किसी गाँव के आदमी से एक व्यक्ति ने पूछा कि कभी तुम्हारे गाँव में कोई बड़ा आदमी पैदा हुआ है? तो उसने जवाब दिया कि नहीं हमारे यहाँ तो सब बच्चे ही पैदा हुए हैं अब तक। ये एक चुटकुले जैसा है और पढ़कर हंसी भी आती है। यहाँ पर जवाब देने वाला व्यक्ति सवाल कि वास्तविकता समझ नहीं पाया इसलिए उसने अपने हिसाब से सही जवाब दिया। आइये देखें ये बड़ा आदमी होता कौन है? हर बड़ा व्यक्ति अपनी सोच, सपने और नज़रिये की वजह से बड़ा बनता है। ये बात सच है कि कोई अपने जन्म से ही बड़ा नहीं होता बल्कि अपने संघर्ष, कर्म और सोच से ही बड़ा होता है। जैसे कि एक बीज में अंकुरित हो कर बड़ा और हरा भरा पेड़ बनने कि संभावना होती है वैसे ही किसी भी व्यक्ति में बड़ा होने कि संभावना होती है। ज़रूरत है उसे सही तरीके से समझने की और उसके अनुसार अपने जीवन को ढालने की। **धीरूभाई अम्बानी** जी ने कहा था, **"बड़ा सोचो! जल्दी सोचो! और उसे हकीकत में परिवर्तित करो, तभी आप मेरी तरह बड़ा आदमी बन सकते हो"**। सच ये है कि आपके दिमाग में बहुत ढेर सारी फर्टाइल ज़मीन है, लेकिन उस ज़मीन पर आप क्या बोएंगे और उगाएंगे यह आपकी सोच, सपने और आत्मविश्वास पर निर्भर करता है। बड़ा बनने के लिए आपके पास अपना एक सपना होना चाहिए और एक विज़न होना चाहिए जो कि बड़ा बनने के लिए बहुत आवश्यक है। जब आप छोटे रहे होंगे तबसे आगे बढ़ते हुए समय में अलग-अलग सपने देखे होंगे कि जीवन में ये बनेंगे ... वो बनेंगे। कभी क्रिकेटर तो कभी एक्टर या कभी कुछ और। बचपन से ऐसे देखे हुए बहुत सारे छोटे-बड़े सपने शायद आप साकार भी कर सके होंगे लेकिन अभी भी कोई सपना या बड़ा बनने का सपना दूर ही होगा।

कभी आपको लग सकता है कि सपने देखने वाले लोग केवल सपने देखते रहते हैं। पर सच्चाई ये है कि आज की तारीख में हर सफल व्यक्ति बहुत पहले अपनी सफलता का सपना देख चुका होता है। उसका विज़न इसी प्रकार से होता है जिसमे वो अपना लक्ष्य बनाकर अपना सपना सच होते हुए देख सकता है। केतली से निकलती भाप को देखकर इंजन का आविष्कार करना, पक्षियों को उड़ता देख विमान की परिकल्पना करना लेना ही ऐसी सोच है जो आगे चल कर बड़े अविष्कार हो पाए। आइये देखते हैं कुछ बड़े या सफल लोगों के जीवन की झलकियां। सबसे पहले मिसाइलमैन के नाम से जाने वाले **ए.पी.जे. अब्दुल** कलाम साहब तमिलनाडु के रामेश्वरम शहर के एक छोटे से घर में पैदा हुए। उनका जीवन बहुत गरीबी में बीता और उस समय उन्होंने अखबार बेचने का काम भी किया। छात्रवृत्ति लेकर अपनी आगे की पढाई की और फिर अपने विज़न के अनुसार एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढाई पूरी की। एक सफल वैज्ञानिक के रूप में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नयी दिशा दी। इसरो के साथ रहकर उन्होंने 'अग्नि' और 'पृथ्वी' नाम की मिसाइल बनाकर नाम कमाया। बाद में भारत के राष्ट्रपति भी बने। एक बहुत छोटे से गरीब घर में जन्म लेने के बावजूद अपने विज़न और सोच से आगे बढ़ते हुए वो ऊँचाईयों तक पहुंचे। धीरू भाई अम्बानी ने भी पंद्रह हज़ार की पूँजी से अपनी कंपनी खड़ी की और भारत के सफल उद्योगपति बने। आज विश्व की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता कंपनी 'हीरो मोटोकॉर्प' (पहले हीरो हौंडा) भी स्वर्गीय ब्रजमोहन लाल मुंजाल के विज़न की वजह से ही दोपहिया उद्योग में सबसे आगे खड़ी है। पहले साइकिल के पुर्जे बनाने से अपना व्यवसाय शुरू करने वाले मुंजाल साहब ने बाद में 'हीरो' साइकिल का सफल उद्योग लगाया। उसके बाद उन्होंने मोपेड बनाने का उद्योग लगाया और सफलता पर आगे बढ़ते हुए 'हीरो हौंडा सीडी 100 मोटर साइकिल बाजार में उतारी, जो आज विश्व में सबसे आगे है। आगे सिकंदर महान के बारे में आप सब सुन चुके हैं। सिकंदर का पिता एक साधारण सैनिक था। सिकंदर के सम्राट बनने के सपने में उसकी पिता की हैसियत आड़े नहीं आयी और आगे चलकर अपनी वीरता से वो महान कहलाया। अमरीकी राष्ट्रपति रूज़वेल्ट के पाँव बेकार थे लेकिन वो अपने सपने और सोच के चलते ही अमेरिका के राष्ट्रपति बने। यदि हम खराब स्वास्थ्य, काम शिक्षा, काम या ज़्यादा उम्र, खराब किस्मत को अपने सफल न होने का कारण मानते हैं तो हम केवल एक बहाना बना रहे होते हैं। अगर आप सोच लें सफलता के सपने देख लें और उसको पाने के लिए प्रयास करें तो दुनिया की कोई ताकत आपको सफल होने से नहीं

रोक सकती। महान दार्शनिक **जॉर्ज बर्नार्ड शॉ** ने कहा था, **"लोग बड़ा बनने का सपना तो देख लेते हैं लेकिन बड़ी सोच पैदा नहीं कर पाते"**। बड़े सपने देखने के साथ सोच या विज़न बहुत ज़रूरी है।

सफल होने और बड़ा बनने का एक मन्त्र है कि अपने देखे गए सपने और अपनी सोच पर बने रहे और धैर्य के साथ उसे पाने कि कोशिश करते रहें। अक्सर ऐसा देखा गया है कि लगवहग 70-80 प्रतिशत लोग शुरू-शुरू में आने वाली असफलता से घबरा जाते हैं। बचे हुए लोग अपने फैसले और लक्ष्य पर ठीके रहते हैं और बड़ा आदमी बन जाते हैं। जीवन में ऐसे लोगों से ही सलाह लें जो अपने जीवन में सफल हों। हर किसी के अंदर कुछ न कुछ ख़ास होता है, इसलिए ज़रूरी है कि आप अपने अंदर उस ख़ास बात को तलाश करें जिससे आपका आत्मविश्वास कई गुना बाद जायेगा। हमेशा सफल होने का नजरिया रखें और कुछ न कुछ सीखने को हमेशा तैयार रहें। कभी आपको लगता है कि आप अपने लक्ष्य से भटक रहे हैं तो अपने दिमाग को केंद्रित करें और सोचने कि कोशिश करें कि सफलता मिलने के बाद आप कैसा महसूस करेंगे। दिन में लगभग दो से तीन बार ऐस ऐसा सपना देहने कि कोशिश करें जो आपको स्वप्रेरित करेगा और आपको सफलता कि और ले जाकर एक न एक दिन बड़ा आदमी बनाएगा। सच है **"बड़ा सोचो, बड़ा बनो"**।

स्टूडियो न्यूज

तिमाही फोटो प्रतियोगिता

फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :

1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट **JPEG** होना चाहिए।
2. फोटो कलर या **B/W** कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज **8x10** इंच में एवं **300 dpi** की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जनवरी 2020

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

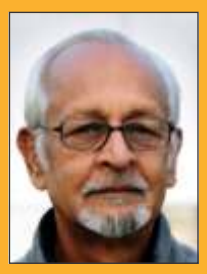

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

Nikon WFA
WEDDING FILM AWARDS

Is it just your **wedding film?** Or an **award winning wedding film?**

₹ 1 CRORE*
SHARE YOUR WEDDING FILM SHOT ON NIKON AND STAND A CHANCE TO WIN PRIZES WORTH

35 couples & 35 videographers will win exciting prizes worth up to ₹ 2 lakhs each!

*** Monthly basis winners declared from October onwards**

Winners take away

FILM MAKERS (WEDDING AND PRE WEDDING)	BRIDE & GROOM (WEDDING AND PRE WEDDING)
WINNER	**WINNER**
Z 6 With 24-70mm Lens + Mount Adapter FTZ	₹ 1 Lakh Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 1 Lakh
FIRST RUNNER-UP	**FIRST RUNNER-UP**
D750 With 24-120mm VR Lens	₹ 75K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 75K
SECOND RUNNER-UP	**SECOND RUNNER-UP**
D7500 With AF-S NIKKOR 18-140mm VR Lens	₹ 25K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 50K

Special mention category

FILM MAKERS	BRIDE & GROOM
D5600 With AF-P 18-55mm VR Kit Lens	make my trip Voucher Worth ₹ 50K

Additional ₹ 5 Lakhs giveaway as consolation prizes to be won!

SCAN TO REGISTER OR VISIT
WWW.NIKONWEDDINGFILMAWARDS.COM

T&C Apply

Corporate/Registered Office & Service Centre: **Nikon India Pvt. Ltd.,** Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). **Ph.:** 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, **Service Ph.:** 0124 4688514, **Service ID:** nindsupport@nikon.com, **Sales and Support ID:** nindsales@nikon.com

TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA ▶ SMS NIKON <PINCODE> to 57575 ▶ CALL TOLL FREE No.: 1800-102-7346 ▶ VISIT OUR WEBSITE: www.nikon.co.in

Fisheye

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in